RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 154 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 28-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 असम विधानसभा चुनाव 'स्वदेश' और 'स्वजाति' की रक्षा की लड़ाई है : हिमंत

6 मेजर मनजीत सिंह : ग्रेनेड फेंक रहे आतंकवादी को ढेर कर बचाई कई जाने

7 विजय थलापति की 'फैन गर्ल' हैं मालविका मोहनन

फर्स्ट टेक

थाईलैंड और कंबोडिया ने नए संघर्षविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए

बैंकॉक/एपी। थाईलैंड और कंबोडिया ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने सीमा पर जारी झड़पों को समाप्त करने के लिए संघर्षविराम को लागू करने के नए समझौते पर हस्ताक्षर किए जो स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे से प्रभावी हो गया। संघर्षविराम समझौते में झड़प समाप्त करने के अलावा यह भी कहा गया है कि दोनों पक्ष भविष्य में कोई सैन्य गतिविधि नहीं करेंगे और किसी भी पक्ष की हवाई सीमा का सैन्य उद्देश्य के लिए उल्लंघन नहीं करेंगे। समझौते का एक और महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि थाईलैंड जुलाई में हुई झड़प के उपरांत बंदी बनाए गए 18 कंबोडियाई सैनिकों को 72 घंटे तक संघर्षविराम पूरी तरह प्रभावी रहने के बाद वापस कंबोडिया भेजेगा।

सूर्यास्त	सूर्योदय
28-12-2025 6:02 बजे	29-12-2025 6:40 बजे

BSE	NSE
85,041.45 (-367.25)	26,042.30 (-99.80)

सोना	चांदी
14,017 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	241,021 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सभी मगन हैं

व्यापारी बस सोच रहा है,
कैसे आए जी भर नोट।
ढूंढ रहे हैं सभी क्रिकेटर,
आइपीएल में लम्बे शाट।
पार्टी वाले नेतागण सब,
पकड़ रहे हैं वोटर वोट।
आम आदमी राम भरोसे,
गुमसुम बैठा खा कर चोट।।

साहस, करुणा और त्याग के प्रतीक बने रहेंगे गुरु गोबिंद सिंह : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि गुरु गोबिंद सिंह साहस, करुणा और त्याग के प्रतीक हैं तथा उनका जीवन एवं शिक्षाएं सभी को सत्य, न्याय एवं धर्मपरायणता के लिए खड़े होने और मानवीय गरिमा की रक्षा करने के लिए प्रेरित करती हैं।

मोदी ने कहा कि सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह की दूरदृष्टि पीढ़ियों को सेवा और निस्वार्थ कर्तव्य की ओर निरंतर मार्गदर्शन देती रही है।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के पवित्र प्रकाश उत्सव के अवसर पर हम उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं। वह साहस, करुणा और त्याग के प्रतीक हैं। उनका जीवन और शिक्षाएं हमें सत्य, न्याय, धर्मपरायणता के लिए खड़े होने और मानवीय गरिमा की रक्षा करती हैं।''

सम्मान

शनिवार, 27 दिसंबर 2025 को बेंगलूरु के केएसएलटीए स्टेडियम में आयोजित 'लीगेसी ऑफ रोहन बोपन्ना' कार्यक्रम के दौरान कर्नाटक स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना को सम्मानित किया जाता हुआ।

कर्नाटक में कोई विकास नहीं, भ्रष्टाचार चरम पर है : विजयेंद्र

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने सिद्धरमैया-नीत राज्य सरकार पर शनिवार को निशाना साधा और आरोप लगाया कि राज्य में विकास पूरी तरह से शून्य रहा है, जबकि भ्रष्टाचार चरम पर है।

विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा राज्य सरकार और उसकी विफलताओं को उजागर करना जारी रखेगी। उन्होंने कई मुद्दों को सूचीबद्ध करते हुए कहा कि सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार कई मोर्चों पर विफल रही है, चाहे वह धर्मशाला मुद्दा हो, नफरती भाषण विधेयक हो, चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ की घटना हो, शराब नीति हो या भ्रष्टाचार से संबंधी मामले हों।

विजयेंद्र ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सरफराज खान के पास 14.5 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता चला है, जो आवास मंत्री जमीर अहमद खान के करीबी माने जाते हैं और कर्नाटक आवास विभाग में प्रतिनियुक्ति पर हैं।

पाकिस्तानी आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए सेना ने शीतकालीन अभियान तेज किए

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और डोडा जिलों में आतंकवाद विरोधी अभियान तेज कर दिए हैं, ताकि भीषण सर्दी का फायदा उठाकर छिपने की कोशिश कर रहे पाकिस्तानी आतंकवादियों का पता लगाया जा सके और उन्हें काबू किया जा सके। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि कश्मीर घाटी में 21 दिसंबर से 31 जनवरी के बीच 40 दिवसीय 'चिल्लई कलां' (सर्दी का सबसे कठोर दौर) के दौरान आम तौर पर आतंकवादी गतिविधियों में अस्थाई ठहराव दर्ज किया जाता है, क्योंकि भारी बर्फबारी के कारण पहाड़ी इलाके कट जाते हैं और संचार मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस बार सर्दी के मौसम में सेना और सुरक्षाबलों के अभियानगत दृष्टिकोण में एक निर्णायक बदलाव आया है।

शासन और कल्याणकारी योजनाओं के लिए द्रमुक ने मजबूत साख बनाई : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवन्नामलाई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि राज्य में उनके नेतृत्व वाली द्रविड़ मॉडल सरकार ने उन लोगों से भी प्रशंसा मिली है, जिन्होंने द्रमुक को वोट नहीं दिया है। स्टालिन ने आरोप लगाया कि हालांकि, केंद्र में शासन करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ ऐसा नहीं है, क्योंकि उसके समर्थक भी केंद्र सरकार की तीखी आलोचना कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने यहां पास में मलप्पमबाड़ी में एक सरकारी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि द्रमुक शासन तमिलनाडु के समग्र विकास के लिए काम कर रहा है, जिसमें प्रत्येक जिला और प्रत्येक परिवार शामिल है। स्टालिन ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में शासन और विकास का द्रविड़ मॉडल इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि राज्य ने एक के बाद एक कई चुनौतियों पर सफलतापूर्वक काबू पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी लागू किए जाने के कारण राज्य को 'कर पर अधिकार' नहीं रह गया है और केंद्र ने राज्य के देय धनराशि भी जारी नहीं की है। उन्होंने कहा कि राज्य में ऐसा राज्यपाल नियुक्त किया गया है, जिसे केंद्र ने केवल निर्वाचित सरकार के कामकाज में बाधा डालने के लिए नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी समस्याओं के अलावा ''धोखेबाज'' और ''गुलाम मानसिकता वाले लोग'' भी हैं और ऐसी तमाम चुनौतियों पर काबू पाकर ही राज्य ने प्रभावशाली विकास दर्ज किया है-यही द्रविड़ मॉडल है।

''धोखेबाज़ और गुलाम'' शब्दों का इशारा परोक्ष तौर पर विपक्षी दलों-मुख्य विपक्षी दल आल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमु क), उसके प्रमुख सहयोगी भाजपा और हाल के दिनों में उभरी टीवीके-की ओर था।

स्टालिन ने कहा कि राज्य की विकास दर कई लोगों को 'पेट में मरोड़' देती है और यहां तक कि केंद्र में मंत्री जैसे जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग भी नफरत फैला रहे हैं।

रूस का कीव पर मिसाइल और ड्रोन से हमला, एक की मौत

कीव/एपी। यूक्रेन और अमेरिका के बीच वार्ता से एक दिन पहले रूस ने शनिवार सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन के जरिये शहर पर हमले से राजधानी में घंटों तक विस्फोट होते रहे। हमला शनिवार तड़के शुरू हुआ और दिन निकलने तक जारी रहा।

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के प्रयास में आगे की बातचीत के लिए रविवार को फ्लोरिडा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने की तैयारी कर रहे हैं।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने किंजल हाइपरसोनिक एरोबॉलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन सहित जमीन, हवा और समुद्र से लंबी दूरी के सटीक-निर्देशित हथियारों का उपयोग करके रात भर में बड़े पैमाने पर हमला किया। मंत्रालय ने कहा कि उसने यूक्रेन की सेनाओं और सैन्य-औद्योगिक उद्यमों द्वारा उपयोग की जाने वाली ऊर्जा बुनियादी सुविधाओं को लक्षित किया।

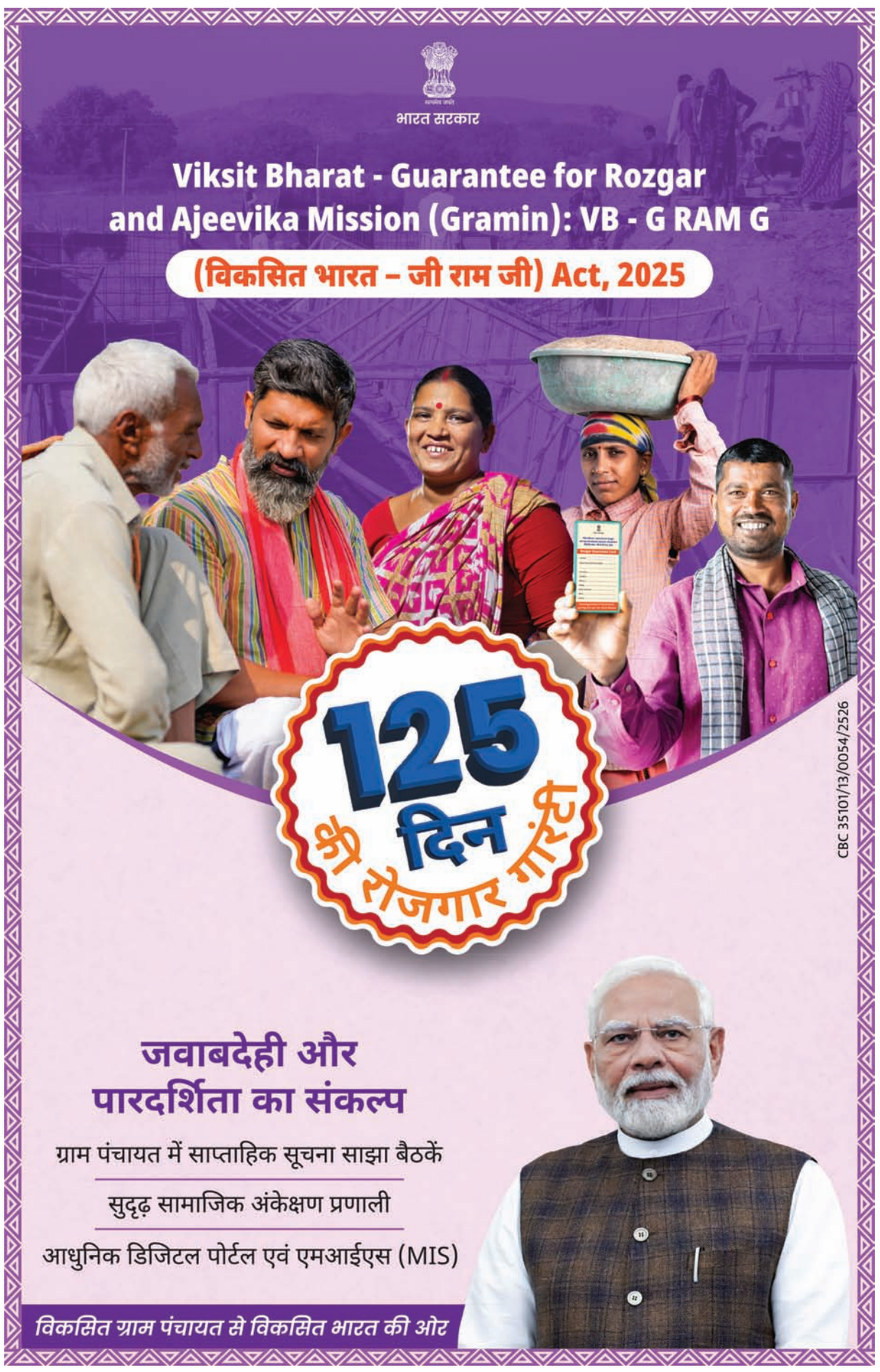

बेंगलूरु में तीन मेफेड्रोन इकाइयों का भंडाफोड़

55 करोड़ रु. के मादक पदार्थ के साथ चार गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र मादक-पदार्थ रोधी कार्यबल(एएनटीएफ) ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में मेफेड्रोन बनाने वाली तीन इकाइयों का भंडाफोड़ करने के साथ ही चार लोगों को गिरफ्तार करके 55.88 करोड़ रुपये का अवैध मादक पदार्थ जब्त किया है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटनाक्रम की शुरुआत 21 दिसंबर को उस वक्त हुई, जब एएनटीएफ की कोंकण इकाई ने नवी मुंबई के वाशी में छापेमारी कर अब्दुल कादिर राशिद शेख को गिरफ्तार किया और उसके पास से 1.48 करोड़ रुपये मूल्य का 1.488 किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद किया। उन्होंने कहा, ''शेख ने बेलगाम निवासी आरोपी प्रशांत यल्लप्पा पाटिल तक जांच टीम को पहुंचाया, जो बेंगलूरु में तीन इकाइयों में मेफेड्रोन के निर्माण से जुड़ा प्रमुख व्यक्ति है। एएनटीएफ प्रमुख शारदा राउत और अधीक्षक एमएम मकंदर की निगरानी में एक अभियान के तहत टीम ने इन इकाइयों पर छापेमारी के बाद सूरज रमेश यादव और मलखान रामलाल बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया।''

इंडिगो ने 'खराब मौसम' के कारण 57 उड़ानें रद्द कीं

मुंबई/भाषा। घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो ने शनिवार को विभिन्न हवाई अड्डों पर 'खराब मौसम' का हवाला देते हुए 57 उड़ानें रद्द कर दीं। एयरलाइन की वेबसाइट से यह जानकारी मिली। एयरलाइन ने रविवार के लिए अब तक 13 उड़ानें रद्द कर दी हैं। इनमें से दो 'परिचालन कारणों' से और बाकी मुख्यतः 'खराब मौसम के पूर्वानुमान' की वजह से रद्द की गई हैं। गुरुग्राम स्थित मुख्यालय वाली इंडिगो ने इससे पहले पायलट के काम करने की अवधि और उनके आराम से संबंधित सख्त मानदंडों के कारण दिसंबर की शुरुआत में हजारों उड़ानें रद्द कर दी थीं।

कोयला खदान के विरोध में ग्रामीणों का हिंसक प्रदर्शन, आठ पुलिसकर्मी घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायगढ़/भाषा। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शनिवार को कोयला खदान का विरोध कर रहे लोगों और पुलिस के बीच हुई झड़प में आठ पुलिसकर्मी तथा कई ग्रामीण घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि जिले के तमनार क्षेत्र में जिंदल को आवंटित कोयला खदान का विरोध कर रहे ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। उन्होंने बताया कि धौराभाठा गांव में जिंदल उद्योग को गारे पेलमा सेक्टर-एक में आवंटित कोल ब्लॉक के लिए भूमि अधिग्रहण, प्रस्तावित उत्खनन और कथित तौर पर नियमविरुद्ध हुई जनसुनवाई को निरस्त करने की मांग को लेकर 15 दिनों से प्रभावित 14 गांव के सैकड़ों लोग धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शनिवार सुबह धरना स्थल पर पुलिस द्वारा लोगों को हटाने का प्रयास करने पर यह स्थिति बनी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों ने बस, कार समेत तीन वाहनों में आग लग दी तथा पुलिस वाहन में तोडफोड की। वहीं ग्रामीण महिलाओं की भीड़ ने तमनार की महिला थानेदार कमला पुसाम पर हमला कर दिया, जिसमें पुलिसकर्मी घायल हो गईं। उन्होंने बताया कि इस दौरान आठ पुलिसकर्मी और कई ग्रामीण घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि जिले के पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल और बड़ी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद है। उन्होंने बताया कि स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है।

हिमाचल प्रदेश में चिकित्सकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से राज्यभर में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में मरीज के साथ कथित रूप से हाथापाई करने पर एक चिकित्सक की सेवा समाप्त किए जाने के विरोध में रेजिडेंट डॉक्टर शनिवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए जिसके कारण राज्य के कई अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर अन्य चिकित्सा सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गईं।

इस मामले में चिकित्सकों का तर्क है कि 48 घंटे के भीतर डॉक्टर को बर्खास्त करना अनुचित था और इस कार्रवाई के कारण चिकित्सा जगत में भारी रोष पनप रहा है। हड़ताल के कारण अस्पतालों में चिकित्सकों की अनुपलब्धता से मरीजों और उनके तीमारदारों, विशेष रूप से दूर-दराज के इलाकों से आने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मरीज के साथ आए कृष्ण सिंह ठाकुर ने बताया, ''मैं बृहस्पतिवार को शिमला से लगभग 125 किलोमीटर दूर आनी (कुल्लू) से यहां आया था। लेकिन हड़ताल के कारण यहां कोई डॉक्टर उपलब्ध नहीं है और हमें बहुत परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि कड़ाके की ठंड और नए साल के आसपास पर्यटकों की बढ़ी संख्या के कारण ठहरने नहीं मिलने के कारण परेशानी और बढ़ गई है। उन्होंने मरीजों के हित के लिए सरकार और चिकित्सकों से इस मामले को जल्द से जल्द हल करने का आग्रह किया।एक अन्य मरीज के तीमारदार दशवी राम ने शनिवार को 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''मेरी पत्नी अस्पताल में भर्ती है। उसका एमआरआई (मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग) आज होना था लेकिन हड़ताल के कारण अभी तक नहीं हो सका है। हम चिकित्सकों के काम पर लौटने का इंतजार कर रहे हैं।'' हड़ताल के कारण शिमला, धर्मशाला, नाहन, हमीरपुर, ऊना और कई अन्य जिलों से स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावित होने की खबरें आ रही हैं। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) और राज्य भर के कई अन्य सरकारी अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर शुक्रवार को सामूहिक रूप से आकस्मिक अवकाश पर चले गए।

शनिवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा करते हुए 'रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन' ने कहा कि हड़ताल के दौरान नियमित सेवाएं, ऑपरेशन थिएटर और बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) बंद रहेंगे और केवल आपातकालीन सेवाएं ही चालू रहेंगी। आईजीएमसी के उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रवीण भाटिया ने शनिवार को बताया, ''आपातकालीन सेवाएं सुचारू रूप से जारी हैं। सहायक प्रोफेसरों, एसोसिएट प्रोफेसरों और प्रोफेसरों सहित विशेषज्ञ, अस्पताल में भर्ती मरीजों और ओपीडी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। हालांकि, पहले से निर्धारित सर्जरी के संबंध में कुछ समस्याएं आई हैं।

सहज स्मृति योग

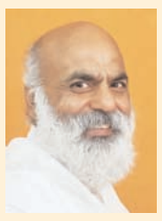

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, सेवा तो सेवा ही होती है तो क्या एक व्यक्ति की सेवा, एक परिवार की सेवा और सम्पूर्ण सृष्टि की सेवा में कोई अंतर है ?

उत्तर: सेवा शब्द के अनेक अर्थ हैं। संदर्भ और प्रसंग बदलते ही अर्थ बदल जाता है। जैसे यहाँ सेवा से आपका आशय सेवा-सुश्रुषा है जो सामर्थ्य के अनुसार ही की जा सकती है। किसी की सामर्थ्य एक व्यक्ति की सेवा-सुश्रूषा की ही है तो उतनी ही उचित है किसी की सामर्थ्य एक परिवार की सेवा सुश्रुषा की ही है तो वह उतनी करे। सेवा सामर्थ्य के अनुरूप हो सकती है। सामर्थ्य बढ़ाने वालों के लिए तो यही कहा गया है कि कुल की सेवा का विकल्प या संकट हो तो एक व्यक्ति को छोड़ सकते हैं। ग्राम की सेवा का विकल्प या संकट हो तो कुल को त्याग सकते हैं। जनपद की सेवा का विकल्प या संकट हो तो ग्राम को त्याग सकते हैं और आत्मा की सेवा का विकल्प या संकट हो तो संपूर्ण पृथ्वी को त्यागना धर्म है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पुस्तकों और पुस्तकालयों के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुस्तकों और पुस्तकालयों के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल देते हुए शनिवार को कहा कि बच्चों में पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने छात्रों को एनसीसी जैसी प्रशिक्षण गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया, जिससे उनमें अनुशासन, नागरिक चेतना और राष्ट्रभावना विकसित हो।

यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक आलोक मेहता ने अपनी नई पुस्तक ''रिवोल्यूशनरी राज: नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष'' की एक प्रति प्रधानमंत्री को सौंपी, जिस दौरान उन्होंने उक्त टिप्पणी की। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आलोक मेहता से मिलकर खुशी हुई और उनके द्वारा लिखित पुस्तक की प्रति प्राप्त की।'' विज्ञप्ति के अनुसार, मेहता ने बताया कि प्रधानमंत्री के साथ भेंट के दौरान हुई चर्चा में भारत के भविष्य की विकास दृष्टि, शासन में जमीनी अनुभव का महत्व तथा सरकार से जनता की अपेक्षाओं पर विचार-विमर्श हुआ।

कुंभ के लिए पेड़ कटाई योजना पर आदित्य ने कहा, सत्तारूढ़ पार्टी लाना चाहती है 'रावण राज'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/भाषा। शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के तहत नासिक में पेड़ों की कटाई की प्रस्तावित योजना को लेकर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोलते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी शहर में 'रावण राज' लाना चाहती है।

नासिक नगर निगम के लिए 15 जनवरी को होने वाले चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि शहर में शिवसेना (उबाठा), मनसे, कांग्रेस और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के गठबंधन को आज अंतिम रूप दे दिया जाएगा। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री ने कहा कि उन्होंने बृहन्मुंबई नगर निगम की तरह नासिक में भी इसके नगर निकाय के तहत मेडिकल कॉलेज की परिकल्पना की है। उन्होंने शहर में बेहतर परिवहन सेवाओं और कम करों का भी वादा किया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ''अगर भाजपा के मन में राम होते तो उन्होंने तपोवन को नहीं काटा होता। वह उस जमीन को बिल्डरों को देना चाहती है।'' उन्होंने दावा किया कि पार्टी का हिंदुत्व अधिक राजनीतिक है। उन्होंने आगे दावा किया, ''यह रावण राज लाना चाहती है। नासिक नगर निकाय ने 'साधु ग्राम' कॉलोनी के लिए शहर के तपोवन क्षेत्र में पेड़ों को काटने का प्रस्ताव दिया था। इस कदम का स्थानीय लोगों, हरित कार्यकर्ताओं और विपक्ष ने कड़ा विरोध किया।

भाजपा शासन में पीट-पीटकर हत्या की घटनाएं आम हो गई हैं : नेशनल कॉन्फ्रेंस सांसद मेहदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

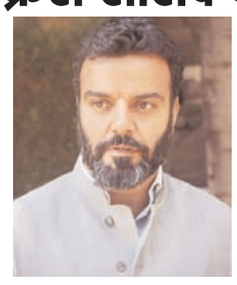

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद रुहुल्लाह मेहदी ने शनिवार को कहा कि पीट-पीटकर हत्या की घटनाएं आतंकवाद के समान है, और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत शासन के तहत ऐसी घटनाएं आम हो गई हैं।

श्रीनगर से लोकसभा सदस्य मेहदी ने अफसोस जताते हुए कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां ऐसी घटनाओं को रोकने के बजाय इसे सुगम बना रही है, तथा न्यायपालिका और मीडिया मूक दर्शक बने हैं। उन्होंने कहा, पीट-पीटकर हत्या की घटनाएं भारत में हो या बांग्लादेश में यह आतंकवाद है। अगर किसी निर्दोष व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या या गैर-न्यायिक हत्या होती है, तो यह आतंकवाद के दायरे में आता है। हम उसी तरह इसके खिलाफ हैं जैसे हम (इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन) नेतन्याहू के खिलाफ हैं।

सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर रविवार को अपने तय प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर मेहदी ने कहा कि सरकार को छात्रों के साथ बैठकर इस मुद्दे पर उन्हें विश्वास में लेना चाहिए क्योंकि उम्मीदवार हताशा, अवसाद और चिंता में हैं। उन्होंने कहा, यदि कोई निर्णय लिया गया तो उन्हें छात्रों को उसकी स्थिति और निर्णय की प्रक्रिया के बारे में सूचित करना चाहिए। गोपनीयता की शपथ के अंतर्गत आने वाले विवरणों को साझा न करें, लेकिन कम से कम उन्हें यह बताएं कि निर्णय किस प्रक्रिया के आधार पर लिया गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर सरकार ने कहा है कि उसने आरक्षण के मुद्दे पर फैसला ले लिया है और फाइल को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को भेज दिया है।

'ब्रेन डेड' महिला के अंगों से छह मरीजों को मिला नया जीवन

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे में 'ब्रेन-डेड' घोषित की गई 38 वर्षीय महिला के परिजनों ने उसके अंगदान करने का फैसला किया जिससे छह मरीजों को नया जीवन मिला।

महिला एक गृहिणी थी और उसे 19 दिसंबर को अचानक स्वास्थ्य संबंधी समस्या हुई। ठाणे शहर के श्री महावीर जैन अस्पताल ने महिला को 'ब्रेन डेड' घोषित किया। हालांकि महिला का परिवार इस घटना से बेहद शोकाकुल था, लेकिन उन्होंने उसके महत्वपूर्ण अंगों को दान करने का निर्णय लिया। परिवार की अनुमति और अन्य औपचारिकताओं को पूरी करने के बाद अस्पताल के चिकित्सकों ने 25 दिसंबर को उसके हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और अन्य अंग दान के लिए संरक्षित किए।

चिकित्सकों ने बताया कि एक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अंगों को मुंबई के चार अस्पतालों और गुरुग्राम के एक अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों के लिए पहुंचाया गया। एक अंग ठाणे के उसी अस्पताल में दान किया गया जहां महिला को 'ब्रेन डेड' घोषित किया गया था। अस्पताल के एक अधिकारी ने कहा, ठाणे जिले के इतिहास में शायद यह पहली बार है कि एक ही अंगदाता से प्राप्त अंगों से इतने लोगों की जान बचाई गई है। परिवार के इस नेक काम से प्रभावित होकर अस्पताल चलाने वाले महावीर जैन ट्रस्ट ने मृतक महिला की नौ वर्षीय बेटी की आर्थिक मदद करने का फैसला किया और एक लाख रुपए दान किए। अस्पताल ने भी एक लाख रुपए की सहायता प्रदान की।

हरियाणा में मादक पदार्थों का दुरुपयोग गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि हरियाणा में मादक पदार्थों का दुरुपयोग एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में उभरा है और युवा इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। सुरजेवाला ने कहा कि रोहतक पीजीआई की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 15 से 18 वर्ष की आयु के बच्चे तेजी से मादक पदार्थ की लत का शिकार हो रहे हैं।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मादक पदार्थों के सेवन से प्रभावित लोगों में से लगभग 74 प्रतिशत 25 वर्ष से कम आयु के हैं। इनमें से लगभग 73 प्रतिशत उपचार के बाद भी मादक पदार्थ की लत में फिर से पड़ जाते हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि सरकारी नशा मुक्ति परामर्श आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में राज्य के नशामुक्ति केंद्रों में 1,84,163 युवाओं ने उपचार के लिए पंजीकरण कराया है। आंकड़ों से पता चलता है कि मादक पदार्थों का सेवन करने वालों में से 46 प्रतिशत 19-25 आयु वर्ग के हैं, 28 प्रतिशत 15 से 18 वर्ष की आयु के बीच हैं, जबकि 21 प्रतिशत 26 से 35 वर्ष की आयु के बीच हैं। उन्होंने कहा कि आंकड़ों से पता चलता है कि यह संकट ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक गंभीर है, जहां 62 प्रतिशत मामले गांवों से सामने आए हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों से 38 प्रतिशत मामले सामने आए हैं। सुरजेवाला ने कहा समग्र स्थिति और खराब हो गई है तथा पिछले साल की तुलना में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के मामलों में लगभग 35% की वृद्धि हुई है।

थिएटर भगदड़ मामला : अभिनेता अल्लू अर्जुन समेत 23 आरोपियों के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद की पुलिस ने फिल्म ''पुष्पा-2'' के प्रीमियर के दौरान भगदड़ में एक महिला की मौत के संबंध में मशहूर तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन समेत 23 आरोपियों के खिलाफ यहां की एक अदालत में आरोप-पत्र दाखिल किया है। हाल में दाखिल आरोप-पत्र में थिएटर प्रबंधन को मुख्य आरोपी के रूप में नामित किया गया है, जबकि अर्जुन को आरोपी संख्या-11 के रूप में नामित किया गया है। चार दिसंबर 2024 को यहां संध्या थिएटर में ''पुष्पा 2'' फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में 35 वर्षीय एक महिला की मौत और उसके आठ वर्षीय बेटे के घायल होने के बाद अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार किया था। प्रीमियर के दौरान अभिनेता की झलक पाने के लिए प्रशंसकों की भारी भीड़ जुटने के कारण भगदड़ मच गई थी। घटना के बाद, मृतक महिला के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर शहर पुलिस ने चिक्कड़पल्ली पुलिस थाने में अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा टीम और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

दिग्विजय सिंह ने की भाजपा की 'संगठन शक्ति' की तारीफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांग्रेस संगठन में विकेंद्रीकरण पर दिया जोर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पार्टी कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक से पहले शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेक संघ (आरएसएस) की ''संगठन शक्ति'' की तारीफ कर अपने दल के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी।

हालांकि, उन्होंने बाद में सफाई देते हुए कहा कि वह आरएसएस तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के धुर विरोधी हैं, और उन्होंने सिर्फ संगठन की तारीफ की है। सूत्रों के अनुसार, दिग्विजय ने कार्य समिति की बैठक के दौरान भी पार्टी संगठन में विकेंद्रीकरण की पैरवी की। कार्य समिति की बैठक शुरू होने से पहले दिग्विजय सिंह ने 'एक्स' पर एक पुरानी तस्वीर साझा की जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगे की तरफ नीचे बैठे हुए हैं तथा उनके पीछे भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं। सिंह ने पोस्ट किया, ''कोरा वेबसाइट पर मुझे यह चित्र मिला। बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का ज़मीनी स्वयंसेवक व जनसंघ भाजपा का कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री व देश का प्रधानमंत्री बना। यह संगठन की शक्ति है। जय सियाराम।'' विवाद खड़ा होने पर सिंह ने संवाददाताओं से कहा, ''मैंने संगठन की तारीफ की है। मैं आरएसएस और मोदी जी का घोर विरोधी था, घोर विरोधी हूं और रहूंगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कार्य समिति की बैठक में विकेंद्रीकरण की पैरवी की है, सिंह ने कहा, ''मुझे जो कहना था, वो मैंने बैठक के दौरान कह दिया।'' उन्होंने यह भी कहा, ''क्या संगठन को मजबूत करना या उसकी तारीफ करना, क्या बुरी बात है।''

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर आप मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के तौर पर मेरे कार्यकाल को देखेंगे तो पाएंगे कि मैंने विकेंद्रीकृत तरीके से काम किया। यह मेरा विचार है।''

हैदराबाद में वर्ष 2025 में दर्ज अपराधों में 15 प्रतिशत की गिरावट आई

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में 2025 के दौरान दर्ज किए गए अपराधों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी सी सज्जनार ने यहां पत्रकारों को बताया कि 2025 में दर्ज किए गए मामलों की संख्या 30,690 है जबकि 2024 में यह संख्या 35,944 थी।

सज्जनार ने अपराधों की संख्या में कमी के लिए पुलिस द्वारा किए गए उपायों को जिम्मेदार ठहराया, जिनमें प्रवर्तन और विजिबल पुलिसिंग शामिल है। हालांकि, वर्ष 2025 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह, यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण से जुड़े (पॉस्को) मामलों में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

वहीं, साइबर अपराध के मामलों में आठ प्रतिशत की गिरावट आई। वर्ष 2025 में 3,735 साइबर अपराध मामले दर्ज किए गए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 4,042 थी। अधिकारी ने बताया कि हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, गंभीर शारीरिक अपराध, गैर-गंभीर शारीरिक अपराध जैसे सभी शारीरिक अपराधों के साथ-साथ संपत्ति संबंधी अपराधों में भी कमी देखी गई। वहीं, स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) से जुड़े मामले बढ़कर 368 हो गए, जो पिछले वर्ष दर्ज किए गए 322 मामलों से अधिक हैं।

कांग्रेस शुरू करेगी 'मनरेगा बचाओ अभियान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राहुल ने प्रधानमंत्री पर योजना खत्म करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के विषय पर मोदी सरकार को घेरने की रणनीति के तहत आगामी पांच जनवरी से देशव्यापी स्तर पर 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करने का फैसला किया है तथा उम्मीद जताई है कि इस मुद्दे पर विपक्षी दल एकसाथ खड़े होंगे। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि मनरेगा खत्म करने का फैसला सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया और ऐसा करते समय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा कैबिनेट से विचार-विमर्श नहीं किया गया।

कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में मनरेगा पर विस्तार से चर्चा हुई और इसमें शामिल 91 नेताओं ने एक बड़ा आंदोलन खड़ा करने की शपथ ली। कार्य समिति की बैठक से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेक संघ (आरएसएस) की ''संगठन शक्ति'' की तारीफ कर अपने दल के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी।

हालांकि, उन्होंने बाद में सफाई देते हुए कहा कि वह आरएसएस तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के धुर विरोधी हैं, और उन्होंने सिर्फ संगठन की तारीफ की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, महासचिव केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, लोकसभा सदस्य शशि थरूर, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा बैठक में मौजूद नहीं थीं। बैठक में यह फैसला किया गया कि पांच जनवरी से 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू किया जाएगा। इस अभियान का पूरा कार्यक्रम पार्टी द्वारा अगले एक-दो दिनों में जारी किया जाएगा। बैठक के बाद खरगे ने संवाददाताओं से कहा, ''बैठक में यह शपथ ली गई कि मनरेगा योजना को प्रमुख बिंदु बनाकर सारे देश में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। कांग्रेस पांच जनवरी से मनरेगा बचाओ अभियान की शुरुआत करेगी।''

उनका कहना था कि मनरेगा के विषय पर प्रधानमंत्री मोदी को जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा।

कार्य समिति की बैठक में कांग्रेस नेताओं ने शपथ ली, ''भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी अग्रणी भूमिका लेते हुए 5 जनवरी से 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करेगी। हम मनरेगा की हर हाल में रक्षा करेंगे, मनरेगा कोई योजना नहीं, भारत के संविधान से मिला काम का अधिकार है।'' उन्होंने यह संकल्प भी लिया, ''ग्रामीण मज़दूर के सम्मान, रोज़गार, मज़दूरी और समय पर भुगतान के अधिकार के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेंगे और मांग-आधारित रोज़गार और ग्राम सभा के अधिकार की रक्षा करेंगे।''

हरियाणा में 70-80 फीसदी नौकरियां बाहरी लोगों को दी जा रहीं, युवा बर्बाद हो रहे : राव नरेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने शनिवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि 70-80 प्रतिशत सरकारी नौकरियां 'बाहरी लोगों' को दी जा रही हैं। राव ने सरकारी भर्ती पर राज्य की नीति पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या हरियाणा के युवा इतने 'अक्षम' हो गए हैं कि उन्हें अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों के लिए नौकरियों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने 'हरियाणा पावर यूटिलिटीज' में सहायक अभियंता भर्ती को तत्काल रद्द करने की भी मांग की।

कांग्रेस नेता ने मांग की कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करें क्योंकि उनकी 'चुप्पी' गंभीर सवाल उठाती है। उन्होंने कहा कि नौकरी की स्थिति हरियाणा के मेहनती युवाओं के अधिकारों पर सीधा हमला है, जो उन्हें अपने ही राज्य में दोयम दर्जे का नागरिक बना देगी। बड़ी संख्या में हरियाणा के बाहर के लोगों को नौकरी के लिए चयनित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'सुनियोजित साजिश' के तहत शिक्षक, पटवारी, क्लर्क, सहायक अभियंता, दीवानी न्यायाधीश और राज्य सिविल सेवा के पदों के साथ-साथ मेडिकल कॉलेजों और तकनीकी शिक्षा विभाग के पदों पर बड़ी संख्या में हरियाणा से बाहर के अभ्यर्थियों का चयन किया गया। हाल की सहायक अभियंता भर्ती का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 214 चयनित अभ्यर्थियों में से 185 राज्य के बाहर से थे।

सम्मान

बेंगलूरु में शनिवार को पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना को कर्नाटक स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा के केएसएलटी स्टेडियम में 'लेगेसी ऑफ रोहन बोपन्ना' इवेंट के दौरान सम्मानित किया गया।

केंद्र ने ग्रामीण भारत में रोजगार की गारंटी देने वाली मनरेगा को 'निरस्त' कर दिया : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने शनिवार को केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसने संसद में बिना किसी चर्चा के 'विकसित भारत- जी राम जी' विधेयक पारित करके मनरेगा को प्रभावी रूप से निरस्त कर दिया, जिससे ग्रामीणों को उनकी आजीविका की गारंटी वाले अधिकार से वंचित कर दिया गया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री ने यहां प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि यह नया कानून मौजूदा रोजगार गारंटी ढांचे में सुधार, सरलीकरण या उसे मजबूत नहीं करता है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने न तो मनरेगा में सुधार किया है, न ही इसे सरल बनाया है और न ही इसे मजबूत किया है। स्पष्ट रूप से, मनरेगा को निरस्त कर दिया गया है। यदि आप विधेयक पढ़ेंगे तो उसमें लिखा है कि मनरेगा और इसकी सभी अधिसूचनाएं निरस्त की जाती हैं।

मंत्री ने कहा कि पिछले 19 वर्षों से, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम एक मांग-आधारित रोजगार गारंटी योजना के रूप में कार्य कर रहा था, जिसने ग्रामीण भारत में आजीविका के लिए एक सुरक्षा कवच प्रदान किया था। उन्होंने आरोप लगाया, लगभग दो दशकों तक, इस अधिनियम ने ग्रामीण परिवारों को आजीविका की गारंटी दी। आज, नरेन्द्र मोदी सरकार ने वह गारंटी छीन ली है।

प्रियंक खरगे ने कहा कि मांग-आधारित अधिकार को आपूर्ति-आधारित योजना में बदलकर एक मौलिक बदलाव किया गया है। उन्होंने कहा, पहले, अगर मेरे पास नौकरी की गारंटी वाला कार्ड होता, तो मैं राज्य में कहीं भी काम मांग सकता था। अब, मुझे काम तभी मिलेगा जब इसकी सूचना दी जाएगी। यह अब कोई अधिकार नहीं रह गया है। मंत्री ने आरोप लगाया कि नए कानून ने भारतीय संविधान के तहत संरक्षित तीन मौलिक अधिकारों को प्रभावी रूप से छीन लिया है। उन्होंने कहा, पहला, यह आजीविका के अधिकार को छीनता है। दूसरा, यह पंचायत राज व्यवस्था के तहत विकेंद्रीकरण करने की पंचायतों की शक्तियों को छीन लेता है। तीसरा, यह राज्य सरकारों से परामर्श किए बिना उन पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालता है।

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में चोरी के मामलों में वांछित व्यक्ति दिल्ली में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने 41 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो अपने गिरोह के सदस्यों के साथ कर्नाटक में बस यात्रियों से 10 किलोग्राम चांदी और तीन लाख रुपए नकद लूटकर फरार हो गया था। यह जानकारी शनिवार को एक अधिकारी ने दी।

अधिकारी के अनुसार, आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के अमरोहा निवासी मोहम्मद फरमान के रूप में हुई है।

वह एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का सक्रिय सदस्य है, जो कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में चलती बसों में चोरी और डकैती की वारदातों को अंजाम देता है। उन्होंने बताया कि चोरी की घटनाओं को आमतौर पर भोर के समय अंजाम दिया जाता था जब यात्री सो रहे होते थे। अधिकारी ने यह भी कहा कि इस संबंध में कर्नाटक पुलिस के अनुरोध पर दिल्ली पुलिस ने फरार आरोपी का पता लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया।कर्नाटक पुलिस ने आरोपी के दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में छिपे होने की आशंका जताई थी।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी कर्नाटक के कुंदापुरा थाने में दर्ज एक मामले में वांछित था।

इसने कहा कि इस मामले में आरोपी और उसके साथी कथित तौर पर एक बस से 10 किलोग्राम चांदी और तीन लाख रुपए नकद लेकर फरार हो गए थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, विशिष्ट सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने 26 दिसंबर को गुरुग्राम में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) टोल प्लाजा के पास जाल बिछाया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि फरमान, कर्नाटक के सुब्रमण्यम नगर थाने में वर्ष 2022 में दर्ज किए गए एक अन्य मामले में भी वांछित है।

आरएसपी नेता ने माकपा के दावे पर सवाल उठाए, सोना चोरी मामले में जवाब मांगा

कोल्लम (केरल)/भाषा। रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) नेता शिबू बेबी जॉन ने शनिवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ मार्क्सवादी पार्टी के नेताओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की समझ नहीं है।

जॉन की यह टिप्पणी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के उस बयान के बाद आई है, जिसमें पार्टी ने दावा किया था कि शबरिमला सोना चोरी मामले के आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी के साथ मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की जो तस्वीर साझा की गई है, वह एआई से बनाई गई है।

जॉन ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें शबरिमला सोना चोरी मामले का आरोपी पोट्टी पूर्व माकपा नेता कड़कम्पल्ली सुरेंद्रन के साथ बैठे नजर आ रहा है।

पत्रकारों ने जब उनसे मुख्यमंत्री और पोट्टी की तस्वीर को एआई निर्मित बताए जाने के माकपा के दावे के बारे में पूछा तो जॉन ने कहा कि माकपा नेताओं को एआई की कोई समझ नहीं है। उन्होंने कहा, जब किसी ऐसे व्यक्ति को पार्टी सचिव बनाया जाता है जिसे एआई का कोई ज्ञान नहीं होता तो ऐसी समस्याएं पैदा होती हैं। उन्होंने बस कहीं से एआई के बारे में सुन लिया है। हमें नहीं पता वे किस युग में जी रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज ऐसी तकनीकें मौजूद हैं, जिनसे एआई से बनी तस्वीरों की पहचान की जा सकती है। जॉन ने कहा, जो भी हो, मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी स्पष्टीकरण से यह स्पष्ट हो गया है कि ऐसा एक कार्यक्रम वास्तव में हुआ था। उन्होंने उस तस्वीर का जिक्र किया जिसमें पोट्टी एक चाबी सौंपने के कार्यक्रम में शामिल हुआ था और उस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उस कार्यक्रम में पोट्टी को किसने आमंत्रित किया था। जॉन ने सवाल उठाया, उस कार्यक्रम का महत्व क्या था, जिसमें पुलिस को केवल एक एंबुलेंस दान की गई थी? पोट्टी उस कार्यक्रम में कैसे शामिल हुआ? इन सवालों के जवाब पहले दिए जाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सवाल पूछने वालों को जवाब देने के बजाय उनके खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

जॉन ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि शबरिमला में सोना चोरी राजनीतिक नेतृत्व की जानकारी के बिना हो सकती थी। उन्होंने कहा, क्या कोई माकपा नेता पिनराई विजयन के शासन में रहते हुए ऐसा करने का साहस कर सकता है? हम यह भी जानना चाहते हैं कि क्या पोट्टी ने त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड द्वारा आयोजित वैश्विक अयप्पा सम्मेलन के लिए धन दान किया था। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष द्वारा आयोजित चाय पार्टी में आरएसपी सांसद एम. के. प्रेमचंद्रन की उपस्थिति को लेकर किसी भी विवाद से इनकार किया।

स्वागत

इसरो चेयरमैन वी नारायणन (बाएं) और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल बेंगलूरु में पार्लियामेंट्री कमिटी ऑन एम्पावरमेंट ऑफ़ वीमेन के दौरे के दौरान बातचीत करते हुए।

अंतरिम जमानत मिलने के बाद यूट्यूबर सावुक्कू शंकर जेल से रिहा

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा तीन महीने की अंतरिम जमानत दिए जाने के बाद यूट्यूबर सावुक्कू शंकर को शनिवार को पुझल केंद्रीय जेल से रिहा कर दिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

एक फिल्म निर्माता पर हमला करने और उनसे जबरन वसूली करने के आरोप में शंकर को 13 दिसंबर को यहां उसके आवास से गिरफ्तार किया गया था।

जेल से रिहा होने के कुछ ही समय बाद, वीडियो पत्रकार एवं सावुक्कू मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ए शंकर उर्फ सावुक्कू शंकर ने 'एक्स' पर अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, क्या आपको लगा था कि मैं हार जाऊंगा?

शंकर की मां ए कमला की ओर से दायर अपील पर सुनवाई के बाद, न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और पी धनबल की अवकाशकालीन पीठ ने शंकर के हृदय रोग और मधुमेह के पिछले चिकित्सीय इतिहास को ध्यान में रखते हुए उन्हें 26 दिसंबर, 2025 से 25 मार्च, 2026 तक जमानत प्रदान की।

कमला ने अपने बेटे को आवश्यक चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए उसकी रिहाई की मांग की थी। पीठ ने अदालत के समक्ष प्रस्तुत दलीलों के आलोक में और याचिकाकर्ता के बेटे की चिकित्सा स्थिति और उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर बार-बार लगाए गए प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए कहा कि अदालत शंकर को 26 दिसंबर, 2025 से 12 सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत पर रिहा करना उचित समझती है। शंकर को अंतरिम जमानत पर रिहा होने के लिए जेल अधीक्षक के समक्ष एक लाख रुपए का निजी मुचलका जमा करने का निर्देश दिया गया था।

केरल हमारे राज्य के मामलों में दखल न दे : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को पड़ोसी राज्य के मामलों में हस्तक्षेप न करने की सलाह दी।

विजयन ने शुक्रवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में मुस्लिम आवासीय क्षेत्रों को कथित तौर पर ध्वस्त किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए इस कार्रवाई को चौंकाने वाला और पीड़ादायक बताया।

विजयन ने फेसबुक पोस्ट में फकीर कॉलोनी और वसीम लेआउट को कथित तौर पर बुलडोजर से गिराए जाने का जिक्र किया, जहां मुस्लिम परिवार कई वर्षों से रह रहे थे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह सब एक राजनीतिक बयानबाजी है। तथ्यों को जाने बिना पिनराई (विजयन) को हमारे राज्य के मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। ये सब चुनाव के समय की राजनीतिक चालें हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विजयन जैसे वरिष्ठ नेता ने बेंगलूरु में मुद्दों के तथ्यों को जाने बिना इस मामले पर टिप्पणी की।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर लिया था। यह कचरा फेंके जाने की जगह है। यह एक पत्थर की खदान थी। यह बहुत खतरनाक जगह है। यहां स्वास्थ्य संबंधी कई खतरे हैं और उन्होंने (झुग्गीवासियों ने) अवैध रूप से कब्जा करने की कोशिश की। यह भूमि हड़पना है। हमारी सरकार और स्थानीय विधायक ने कहा है कि यह बहुत खतरनाक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार मानवता आधारित दृष्टिकोण अपनाती है और पात्र लोगों को नियमों के अनुसार वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराएगी।

कोच्चि हवाई अड्डे पर चार करोड़ रुपए का हाइब्रिड गांजा जब्त

कोच्चि/भाषा। कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 4.3 किलोग्राम 'हाइब्रिड गांजा' बरामद किया। जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत चार करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी शाहनवाज और अब्दुल नजार कोझिकोड के रहने वाले हैं। वे शुक्रवार देर रात करीब 1:30 बजे थाईलैंड के फुकेट से एक उड़ान के जरिए कोच्चि हवाई अड्डे पहुंचे थे।

मंगलुरु में झूले की दुर्घटना की जांच के आदेश

मंगलुरु/भाषा। कर्नाटक के मंगलुरु स्थित करावली उत्सव मैदान में विशाल झूले में खराबी आने से एक व्यक्ति और उसके दो बच्चे के घायल होने की दुर्घटना के मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना 24 दिसंबर को हुई थी। पुलिस के अनुसार, के. मोहन मुलाली ने शिकायत में आरोप लगाया था कि जब झूला तेज गति से चलने लगा, तो जिस केबिन में वे बैठे थे, वह अचानक नीचे गिर गया और दूसरे केबिन से टकरा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीच में ही केबिन के दरवाजे टूट गए, जिससे अंदर बैठे लोग कई बार उसके अंदर ही गिर गए। मंगलुरु पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने बताया, शिकायत प्रथम दृष्टया लापरवाही और खराब रखरखाव की ओर इशारा करती है। हमने संचालकों से विवरण मांगा है और जांच करेंगे कि क्या सुरक्षा नियमों का उल्लंघन हुआ है। मुलाली ने आरोप लगाया कि घटनास्थल पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने दावा किया कि वहां प्राथमिक चिकित्सा सुविधा या एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं थी तथा आसपास मौजूद लोगों ने घायल परिवार की मदद की। करावली उत्सव की व्यवस्थाओं की देखरेख कर रहे जिला अधिकारी ने बताया कि संचालकों को फटकार लगाई गई है और बताया कि उस समय घटनास्थल पर मौजूद एम्बुलेंस किसी अन्य आपातकालीन स्थिति में व्यस्त थी।

तिरुप्परनकुंद्रम दीप प्रज्वलन मुद्दे पर भाजपा की सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश नाकाम: मंत्री

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ धर्मादा मंत्री पी. के. शेखर बाबू ने शनिवार को दावा किया कि तिरुप्परनकुंद्रम दीप प्रज्वलन मुद्दे का सहारा लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांप्रदायिक नफरत भड़काने की कोशिश विफल रही और ऐसा लगता है कि भगवान मुरुगन उनके पक्ष में नहीं थे। मंत्री ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के शासन में लोगों को सांप्रदायिक आधार पर विभाजित करने का कोई भी प्रयास सफल नहीं होगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा, वे (भाजपा) तिरुप्परनकुंद्रम कार्तिगई दीपम दीप प्रज्वलित करने के मुद्दे के माध्यम से भगवान मुरुगन के नाम का हवाला देकर सांप्रदायिक नफरत भड़काना चाहते थे। लेकिन ऐसा लगता है कि उन्हें भगवान का आशीर्वाद नहीं मिला। उनका प्रयास असफल रहा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश समन्वय समिति के संयोजक एच. राजा ने दावा किया था कि भाजपा के सत्ता में आने पर मंदिर प्रशासन को हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ धर्मादा विभाग के नियंत्रण से मुक्त करके श्रद्धालुओं को सौंप दिया जाएगा। राजा के इस दावे के जवाब में बाबू ने टिप्पणी की, उन्हें चुनाव लड़ने दीजिए और जीतने दीजिए।

बाबू ने कहा कि राजा को ऐसे अनावश्यक बयान देकर अपनी पहचान बनाने की कोशिश करने के बजाय चेन्नई के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़कर अपनी क्षमता साबित करनी चाहिए।

पिनराई व शबरिमला मामले के आरोपी की एआई निर्मित तस्वीर साझा करने के आरोप में कांग्रेस नेता गिरफ्तार

कोझिकोड (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के साथ शबरिमला मामले के आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी की कृत्रिम मेधा से बनाई गई तस्वीर साझा करने के आरोप में कांग्रेस के एक नेता को गिरफ्तार किया गया है। चेवायूर पुलिस ने कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की राज्य इकाई के सदस्य एन. सुब्रह्मण्यम को उनके खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया और थाने से ही जमानत पर रिहा कर दिया गया।

सुब्रह्मण्यम पर आरोप है कि उन्होंने एक सोशल मीडिया मंच पर मुख्यमंत्री के साथ पोट्टी की एक तस्वीर साझा की और पोस्ट में दोनों के कथित करीबी संबंधों पर सवाल उठाया।

अधिकारियों ने बताया कि जांच के तहत पुलिस की एक टीम शनिवार सुबह सुब्रह्मण्यम के घर पहुंची और उनका बयान दर्ज किया। अधिकारियों ने बताया कि बाद में विस्तृत पूछताछ के लिए उन्हें थाने ले जाया गया।मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने दावा किया है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही यह तस्वीर कृत्रिम मेधा (एआई) से बनाई गई है।

हालांकि, थाने जाने से पहले सुब्रह्मण्यम ने पत्रकारों से कहा कि उनके द्वारा साझा की गई तस्वीर एआई-निर्मित नहीं है, बल्कि मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक वीडियो से ली गई है। उन्होंने आरोप लगाया, पुलिस जो कह रही है, वह सरकार की भाषा है। वे हर चीज को एआई-निर्मित बताकर पेश कर रहे हैं। सुब्रह्मण्यम ने यह भी दावा किया कि उनके द्वारा साझा की गई तस्वीरों में से एक 29 नवंबर को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर के सोशल मीडिया अकाउंट पर भी देखी गई थी, लेकिन उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। उन्होंने कहा, मैं तस्वीर की प्रामाणिकता साबित करने की कोशिश करूंगा। आखिरकार, यह मामला अदालत तक जाएगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार की नीति मुख्यमंत्री की आलोचना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजने की है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

ई-निविदा सूचना सं: Y-E.29-2025-26-71
दिनांक: 18.12.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
मैसूरु विभाग (मैसूरु - हासन विभाग) का जीएसयू कार्यों के तहत इंटरलॉक्ड एलसी गेटों के लिए अतिरिक्त ट्रैन्सफॉर्मर का प्रावधान।	रु. 12,68,858.60

ई-निविदा सूचना सं: Y-E.29-2025-26-72
दिनांक: 18.12.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
मैसूरु पिट लाइन 1, 2 और 3 पर ओएचई का संशोधन कार्य।	रु. 14,52,825.67

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि:
09.01.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर
PUB/762/AAF/PRB/SWR/2025-26 टीआरडी/मैसूरु

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: बी/टीआरडी. 2025-26/32 दिनांक 23.12.2025 का प्रकाशन
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
बेंगलुरु यार्ड में ट्रामवे ओएचई का कन्वेंशनल में परिवर्तन ।	रु. 1,13,21,950.32/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि
13.01.2026 को 15:00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, बेंगलुरु
PUB/778/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | @SWRAILWAYHQ | @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा उल्लेख सं.: ECN-02-2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
चिक्कजाजूर - हुबली विभाग में हावेरी रेलवे स्टेशन केसमीप किमी. 395/500-600 पर मौजूदा गंडीपुर 33केवी ओवरहेड पॉवर लाईन क्रासिंग को 3 कोर, 400 स्क्व.मिमी. एक्सएलपीई यूजी केबल/ओवरहेड लाईनों से स्थानांतरण / संशोधन करना।	रु. 1,00,10,989/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि:
12.01.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें
उप मुख्य इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ट्रैक्शन विनियोग (निर्माण)/बेंगलूरु छावनी
PUB/764/AAF/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई निविदा सं. बी/टीआरडी.2025-26/33 दिनांक: 23.12.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
(1) आरडी-5 से सटे वर्तमान गुडस अनलोडिंग प्लेटफार्म की विधिवत डिस्मेंटलिंग करके प्रस्तावित आरडी-06 (स्पर लाईन 686एम) साथ में एसवीसी के छोर की ओर 650एम शंटिंग नैक के प्रावधान के संबंध में बीआईडी-ओएचई सुधार। (2) वाई टीएसएस को डाउनलाइन पीटीएफई में स्थानांतरित करने के लिए ओएचई संशोधन, पूर्ण होने की अवधि 10 महीने।	रु.1,31,47,138.73/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि
13.01.2026 को 15:00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, बेंगलुरु
PUB/779/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | @SWRAILWAYHQ | @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई निविदा सूचना सं. बी/टीआरडी.2025-26/30 दिनांक: 23.12.2025 का प्रकाशन
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
(1) सर एम. विश्वेसर्वया टर्मिनल बेंगलुरु में एसी लोको ट्रिप शैड के निर्माण के संबंध में ओएचई सुधार, (2) पीएफ 7 और 8 के लो एचटी शैल्टर की रिप्लेसमेंट के लिए प्रस्ताव, दूसरे प्रवेश भवन और प्लेटफार्म प्रवेश के बीच खुले क्षेत्र में शैल्टर का प्रावधान, ग्रेनाइट फ्लोरिंग सहित-टीआरडी वर्क्स, (3) बेंगलुरु में एसी लोको ट्रिप शैड के विस्तार के संबंध में ओएचई सुधार, (4) बेंगलुरु यार्ड पर पिट लाइन नं. 1 के लिए ओएचई का प्रावधान।	रु. 1,46,91,954.11/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि
13.01.2026 को 15:00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, बेंगलुरु
PUB/776/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | @SWRAILWAYHQ | @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: बी/टीआरडी.2025-26/31 दिनांक 23.12.2025 का प्रकाशन
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
(i) चिक्कबनवारा, येदियुरु, श्रावणबेलगोला, नेलमंगला स्टेशनों पर 420 मीटर लंबाई की ट्रैक मशीन साइडिंग के निर्माण के लिए आवश्यक ओएचई संशोधन। (ii) सहायक मंडल अभियंता/कुनिगल सब-डिविजन के अंतर्गत चन्नरायपट्टना स्टेशन पर प्रस्तावित प्लेटफॉर्म बीजी नगर पीएफ-1 और 2 का 16 मीटर, हिरिसावे पीएफ-1, 2 और 3 का 20 मीटर, श्रावणबेलगोला पीएफ-1, पीएफ-2 और 3 का 138 मीटर प्रत्येक, चन्नरायपट्टना पीएफ-1, 2 और 3 का 140 मीटर विस्तार और कंपाउंड वाल के निर्माण के संबंध में ओएचई संशोधन। (iii) बेंगलुरु डिविजन के चिक्कबनवारा-हासन (जीआर 296) खंडों के विद्युतीकरण के बाद लंबित कार्य। (iv) चिक्कबनवारा-हासन खंड में इंजीनियरिंग ट्रैक कार्यों के संबंध में टीआरडी कार्य। (v) नेलमंगला स्टेशन पर किमी 14/300-400 पर प्रस्तावित आरयूबी (आरसीसी बॉक्स साइज-15X4.5 मीटर) के प्रस्तावित निर्माण के संबंध में ओएचई संशोधन।	रु.1,67,87,839.90/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि
13.01.2026 को 15:00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, बेंगलुरु
PUB/777/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | @SWRAILWAYHQ | @sw_railways

बुजुर्ग ने आत्महत्या की, सूदखोरों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में सूदखोरों द्वारा कथित तौर पर परेशान किए जाने से तंग आकर एक बुजुर्ग ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 65 साल के भुवन प्रकाश शर्मा झोटवाड़ा के गोविंद वाटिका के रहने वाले थे और उन्होंने 24 दिसंबर को अपने घर पर कथित रूप से जहर खा लिया। खोरा बीसल थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि शर्मा सोने के लिए अपने कमरे में गए और कथित तौर पर जहर खा लिया। उन्होंने बताया कि तबीयत बिगड़ने पर परिवार के सदस्य उन्हें एसएमएस अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने शुक्रवार रात को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार, पीड़ित के पास से मिले दो पन्नों के 'सुसाइड नोट' में आरोप लगाया गया कि सिंह ने सूदखोरों द्वारा परेशान किए जाने के कारण यह कदम उठाया। पुलिस के अनुसार, सिंह ने नोट में जितेंद्र राठौड़ का नाम लिखा है। अधिकारी ने बताया कि नोट में प्रशासन से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने, न्याय दिलाने और उनके परिवार को सुरक्षा देने की भी अपील की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उदयपुर व कोटा संभाग में कई जगह कोहरा छाया रहा

जयपुर। राजस्थान में उदयपुर और कोटा संभाग में कहीं-कहीं कोहरा छाया रहा और पिछले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के जयपुर केंद्र ने बताया कि इस दौरान न्यूनतम तापमान करौली में 3.1 डिग्री सेल्सियस, पाली में 3.4 डिग्री, अंता में 4.5 डिग्री, दौसा में 4.7 डिग्री, अलवर में 5.2 डिग्री, नागौर में 5.3 डिग्री, लूणकरणसर में 5.8 डिग्री और सिरोही में 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, राजधानी जयपुर में बीती रात न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा। बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में अधिकतम तापमान बाड़मेर में 29.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी प्रदेश में मौसम शुष्क और सर्द बना रहने की संभावना है।

पुलिस ने बंधक बनाए गए 53 मजदूरों को छुड़ाया

जयपुर। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में पुलिस ने महाराष्ट्र से बंधक बनाए गए 53 मजदूरों को छुड़ा लिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार देर रात यह जानकारी दी। प्रतापगढ़ के जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के अनुसार प्रतापगढ़ जिले के आदिवासी समुदाय के व्यक्तियों को मजदूरी दिलाने के नाम पर महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में बंधक बनाया गया था। उन्होंने बताया कि इन 53 आदिवासी मजदूरों में 13 महिलाएं और 40 पुरुष हैं, जिन्हें पुलिस टीम ने छुड़ा लिया है।

चूरू में सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत, तीन घायल

जयपुर। राजस्थान के चूरू जिले में शुक्रवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा ट्रेलर और एसयूवी बोलेरो वाहन की टक्कर के कारण हुआ। सांडवा के थाना प्रभारी चौथमल ने बताया कि यह हादसा कातर छोटी और तेहनदेसर गांवों के बीच हुआ। उन्होंने बताया कि बोलेरो में सवार एक महिला समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल व्यक्ति ने बीकानेर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान उम्मेद सिंह (55), प्रहलाद सिंह (35), दलीप सिंह (25), राजू कंवर (40) और नारायण राम (60) के रूप में हुई है। इस हादसे में घायल तीन लोगों को शुरू में सांडवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और बाद में उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बीकानेर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद ट्रेलर का चालक मौके से फरार हो गया और उसे ढूंढने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

कचौरी में लोहे की ब्लेड मिलने से मचा हड़कंप

कोटपूतली। शहर के महात्मा ज्योतिबा फुले चौक स्थित श्रीजी प्लाजा में संचालित जोधपुर मिष्ठान भंडार पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने औचक छापा मारा। यह कार्रवाई कचौरी में लोहे की ब्लेड मिलने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद की गई। घटना के बाद शहर में हड़कंप मच गया और आमजन में आक्रोश देखने को मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को कस्बा निवासी हीरालाल गुर्जर अपने साथियों संदीप गुर्जर, रामवीर चेची एवं बंटी रावत के साथ मिष्ठान भंडार पर कचौरी खाने पहुंचे थे। इसी दौरान कचौरी में लोहे की ब्लेड निकलने से सभी चौंक गए। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही खाद्य सुरक्षा विभाग हरकत में आ गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम मौके पर पहुंची। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान संचालक बजरंग सिंह भी मौजूद रहे। टीम ने मिष्ठान भंडार में तैयार मावा, मिठाइयों, नमकीन एवं कचौरी में प्रयुक्त मसालों की गहन जांच की।

अरावली पर्वतमाला प्रदेश की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर, इसके संरक्षण के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अरावली पर्वतमाला प्रदेश की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर है और राज्य सरकार इसके संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट रुख है कि अरावली के स्वरूप के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए अरावली जिलों में वन एवं पर्यावरण, खान तथा पुलिस सहित संबंधित विभागों की ओर से संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से इस संबंध में कड़ी कार्रवाई करें।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित वन एवं पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अरावली क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नए खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में केन्द्र सरकार की ओर से भी निर्देश जारी किए गए हैं। ये निर्देश पूरे अरावली भू-भाग पर समान रूप से लागू होंगे। इससे पर्वत श्रृंखला के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखा जा सकेगा और अनियमित व अवैध खनन पर प्रभावी रूप से रोक लग सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने खनन लीज जारी करने में सुप्रीम कोर्ट और सीईसी द्वारा समय-समय पर जारी की गई गाइडलाइंस के साथ ही सभी पर्यावरण सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई गई है। परियोजना के तहत अरावली जिलों के 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण करवाया जा रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, वन एवं पर्यावरण तथा खान विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

सांभर अब ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में तथा पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, अतिरिक्त जिला कलेक्टर जयपुर, आशीष कुमार, सांभर एसडीएम, ऋषि राज कपिल, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेन्द्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में राजस्थान पर्यटन विभाग एवं जयपुर जिला प्रशासन तथा सांभर नगर पालिका के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार (27 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2025 तक) को पांच दिवसीय सांभर महोत्सव का झपोक में भव्य शुभारम्भ किया गया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के द्वारा दोपहर 12 बजे साम्भर महोत्सव का बड़ी संख्या में सैलानियों की उपस्थिति में उद्घाटन किये जाने के बाद उन्होंने क्राफ्ट एवं फूड स्टॉल का भ्रमण किया तथा कलाकार एवं हस्तशिल्पियों का उत्साह वर्धन किया। दिया कुमारी ने इस अवसर पर डाक कार्ड (झींरश्र उरीवी) का विमोचन भी किया। उन्होंने पतंग प्रदर्शनी एवं फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सांभर फेस्टिवल की सभी को बधाई देते हुए देश-विदेश से आए पर्यटकों का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष फेस्टिवल का आयोजन और भी बड़े स्तर पर किया जा रहा है तथा अगले वर्ष यह और भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सांभर फेस्टिवल ने अब वैश्विक पर्यटन मंच पर अपनी अलग पहचान बना ली है। सांभर अब ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनता जा रहा है।

दिया कुमारी ने कहा कि सांभर की विशिष्ट पहचान इसका अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य है। शीत ऋतु में यूरोप और उत्तरी एशिया से आने वाले विभिन्न प्रजाति के पक्षी, विशेषकर ग्रेटर फ्लेमिंगो, सांभर को वैश्विक पहचान दिलाते हैं। दिया कुमारी ने कहा कि सरकार पर्यटकों की सुविधाओं के लिए विकास कार्य कर रही है, उन्होंने कहा कि सड़क कनेक्टिविटी विकास को लेकर निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने पर्यटकों से सांभर के प्राकृतिक सौंदर्य, स्थानीय आकर्षणों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लेने का आह्वान किया।

उन्होंने जयपुर सहित सभी पर्यटन प्रेमियों से आग्रह किया कि वह सांभर में आयोजित हो रहे इस फेस्टिवल में अधिक से अधिक सहभागिता कर यहां के अद्भुत प्राकृतिक रमणीयता का आनंद लेवे, साथ ही यहां स्थित विभिन्न पर्यटक स्थलों को भी देखें। उन्होंने पर्यटकों से यह भी आग्रह किया कि वे सभी यहां के वीडियो और फोटो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जरूर अपलोड करें।

विभिन्न कला और शिल्प स्टालों, फोटोग्राफी प्रदर्शनी और फूड कोर्ट के साथ ही सांभर महोत्सव में फैंसी एवं आकर्षक पतंग प्रदर्शनी एवं विशेष पतंग उड़ान गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया।

प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को ग्राम पंचायत चौखा में बजट घोषणा वर्ष 2025-26 अटल प्रगति पथ चौपासनी वस्त्र मंत्रालय से दत्तोपंत ठेंगड़ी नगर होते हुए नयापुरा मैन रोड़ तक सीसी सड़क निर्माण कार्य (1.70 किमी) लागत राशि 2 करोड़ रुपये का विधिवत लोकार्पण किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पांच साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने एवं 10 लाख निजी रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा लगभग 92 हजार सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं और 1.53 लाख से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

पटेल ने कहा आरपीएससी द्वारा 2026 में होने वाली भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवा नीति भी जल्द लाई जाएगी।

पटेल ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पीएम विश्वकर्मा योजना, आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल अभियान ने कारीगरों, उद्यमियों और युवाओं को सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा इन पहलों से रोजगार, कौशल विकास और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिला है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा 2 वर्ष के कार्यकाल में ग्राम पंचायत चौखा को अनेक सौगातें मिली है। उन्होंने कहा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत कर नवीन भवन कार्य स्वीकृत किया गया। उन्होंने कहा नवीन सहायक अभियंता कार्यालय,अटल प्रगति पथ और नवीन पशु स्वास्थ्य केंद्र भवन स्वीकृत किया गया।

दिया कुमारी ने फुलेरा आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर / फुलेरा । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज फुलेरा स्थित सेठ सूरजमल अग्रवाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में मौजूद नन्हे-मुन्ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया।

बच्चों ने अपनी मासूमियत भरी भावनाओं के साथ उपमुख्यमंत्री को कविता सुनाई, जिसे सुनकर उन्होंने बच्चों की सराहना की और बच्ची को उपहार भी वितरित किए। निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं, स्वच्छता, शिक्षण गतिविधियों एवं बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया।

उन्होंने बच्चों को दिए जा रहे पोषण आहार की जानकारी ली और भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि बच्चों के स्वास्थ्य और समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए उन्हें नियमित रूप से पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराया जाए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा आंगनबाड़ी केंद्रों को और अधिक सशक्त, संवेदनशील एवं प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

उदयपुर में टाउन हॉल से निकली जन जागरण रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर कांग्रेस ने उदयपुर में 'अरावली बचाओ' अभियान के तहत जन जागरण पैदल रैली निकाली। यह रैली नगर निगम टाउन हॉल से शुरू होकर अक्षनी बाजार, हाथीपोल चौराहा होते हुए चेतक सर्कल स्थित मोहता पार्क तक पहुंची। उदयपुर शहर एवं देहात कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में निकाली गई इस रैली में जिलेभर से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

रैली का नेतृत्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ और देहात कांग्रेस अध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा ने किया। रैली के दौरान कांग्रेस की महिला विंग की कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए पर्यावरण संरक्षण और अरावली पर्वतमाला को बचाने का संदेश दिया।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों, पूर्व विधायकों, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अरावली पर्वत श्रृंखला पर्यावरण संतुलन के लिए बेहद जरूरी है और इसके संरक्षण के लिए जन जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण अरावली क्षेत्र को नुकसान पहुंच रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रैली के माध्यम से आमजन से भी अपील की गई कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएं और अरावली को बचाने की इस मुहिम में सहभागी बनें।

पान मसाला विज्ञापन मुकदमा

उपभोक्ता अदालत ने सलमान खान को पेश होने का दिया आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में कोटा की एक उपभोक्ता अदालत ने शुक्रवार को बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन मामले में अदालत में पेश होने और दाखिल किये गये 'पावर ऑफ अटॉर्नी' पर हस्ताक्षर की फोरेंसिक जांच का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि इस मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी को होगी। अधिवक्ता एवं भाजपा नेता इंद्र मोहन सिंह हनी ने 15 अक्टूबर को कोटा उपभोक्ता अदालत में शिकायत दर्ज कराई कि राजपान मसाला और खान 'केसर-युक्त इलायची' और केसर-युक्त पान मसाला के नाम पर विज्ञापन से लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

उन्होंने तर्क दिया कि जब केसर की कीमत चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम है, तो यह पांच रुपये के पान मसाला पाउच में कैसे उपलब्ध हो सकता है? हनी ने कहा कि अभिनेता और कंपनी जनता को गुमराह कर रहे हैं तथा युवा पान मसाला के सेवन की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिससे वे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं।

नौ दिसंबर को पिछली सुनवाई में याचिकाकर्ता ने खान द्वारा 'पावर ऑफ अटॉर्नी' पर किए गए हस्ताक्षर और अदालत के नोटिस पर दिये गये जवाब पर आपत्ति जताई थी और मामले की जांच की मांग की थी।

पान मसाला विज्ञापन मामले की सुनवाई करते हुए, उपभोक्ता अदालत ने शुक्रवार को अभिनेता के हस्ताक्षर की फोरेंसिक जांच का आदेश दिया और उन्हें 20 जनवरी को वकील आर सी चौबे के साथ अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया, जिन्होंने 'पावर ऑफ अटॉर्नी' और जवाब को 'नोटरीकृत' किया था।

पाली जिले में राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय भवन का पशुपालन मंत्री ने किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि भारत में 536 मिलियन से अधिक पशुधन है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। प्रदेश में लगभग 70 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों की आय, भोजन और सुरक्षा के लिए पशुओं पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मानव के साथ-साथ जानवरों की सेहत का भी ध्यान रख रही है। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत शनिवार को पाली में पुन:निर्मित फुटरमल गुलाबचंद कोठारी राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय भवन के उदघाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मंत्री कुमावत ने फीता काटकर पुन:निर्मित भवन का लोकार्पण किया।

पशुपालन मंत्री ने कहा कि प्रदेश में पशु चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ किया जा रहा है। इसमें न केवल पशु चिकित्सा क्षेत्र में नई भर्तियां की जा रही हैं, बल्कि चिकित्सालयों को क्रमोन्नत करने के साथ-साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत किया जा रहा है। इसी कड़ी में पाली जिले के कोसेलाव के क्रमोन्नत हुए राजकीय पशु चिकित्सालय के भवन का पुन:निर्माण इसी गांव के मूल निवासी प्रवासी राजस्थानी कोठारी परिवार द्वारा किया गया है।

उन्होंने कहा कि आज भी प्रवासी राजस्थानी अपनी मातृभूमि राजस्थान के विकास में कई तरह से योगदान दे रहे हैं। इसी का परिणाम है कि मुंबई में अपना व्यवसाय कर रहे कोठारी परिवार ने 50 लाख रुपए खर्च कर इस पशु चिकित्सालय भवन का पुन:निर्माण कराया है। कार्यक्रम में पशुपालन मंत्री ने पशुपालकों के लिए संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान मंत्री कुमावत ने चिकित्सालय भवन परिसर में स्थापित फुटरमल जी गुलाबचंद कोठारी की मूर्ति का अनावरण भी किया। साथ ही, मंत्री कुमावत ने भवन परिसर में पौधारोपण कर कोठारी शीतल जल ग्रह का भी उद्घाटन किया।

स्वदेशी मेले का राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने किया भ्रमण

जयपुर। स्वदेशी मेले का चित्तौड़गढ जिले के सभी ब्लॉकों से आई राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा मेले का भ्रमण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मेले में लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से राजीविका स्टॉल एवं वन धन स्टॉल का निरीक्षण किया।

इसके पश्चात सांसद सी. पी. जोशी एवं जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. रमेश चंद्र धाकड़ द्वारा सभी ब्लॉकों से आई राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया गया। संवाद के दौरान मेले के उद्देश्य, गतिविधियों एवं स्वदेशी उत्पादों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई।

तेज प्रताप ने निष्कासित पार्टी नेता पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया

पटना/भाषा। जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने पार्टी की निष्कासित राष्ट्रीय प्रवक्ता संतोष रेणु यादव पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। बिहार के पूर्व मंत्री ने राज्य के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखकर सुरक्षा बढ़ाने की भी मांग की है। इस साल विधानसभा चुनाव में तेज प्रताप को महुआ विधानसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा। चौधरी ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''हां, मुझे उनका पत्र मिला है... इस मामले की जांच की जा रही है।''

सचिवालय थाने के एसएचओ (थाना प्रभारी) गौतम कुमार ने बताया कि यादव की शिकायत के आधार पर हाल में प्राथमिकी दर्ज की गई है और मामले की जांच की जा रही है। लालू प्रसाद के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि रेणु को जेजेडी का राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया गया था, लेकिन बाद में उन्होंने पार्टी की विचारधारा के खिलाफ काम करना शुरू कर दिया। यादव ने यह भी आरोप लगाया कि रेणु ने नौकरी और अन्य सुविधाओं का वादा कर पार्टी कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों से पैसे लिए। इसके बाद 14 दिसंबर को पार्टी ने रेणु को निष्कासित कर दिया। पूर्व मंत्री ने पुलिस शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि निष्कासन के बाद रेणु ने उन्हें सोशल मीडिया मंच पर गालियां दीं और जान से मारने की धमकियां देना शुरू कर दिया।

निर्वाचन आयोग बंगाल एसआईआर में हटाए गए नामों में से बांग्लादेशियों की संख्या का खुलासा करे : अभिषेक

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को कहा कि निर्वाचन आयोग को पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर के तहत मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद हटाए गए 58.20 लाख नामों में से अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की संख्या बतानी चाहिए। बनर्जी ने आरोप लगाया कि 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद से केंद्र द्वारा बंगाल को चुनिंदा रूप से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि ''एजेंडा (केंद्र का) राज्य के लोगों को परेशान करना है''। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने यह भी कहा कि बंगाल की जनसंख्या 10.05 करोड़ है और जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में मतदाता सूची से हटाए गए नामों की संख्या 58.20 लाख है। बनर्जी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यह जनसंख्या का मात्र 5.79 प्रतिशत है, जो उन सभी राज्यों में सबसे कम है जहां एसआईआर आयोजित किया जा रहा है।'' उन्होंने मांग की कि निर्वाचन आयोग को हटाए गए 58.20 लाख नामों में से बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की संख्या का खुलासा करना चाहिए।

एसआईआर में 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कट जाने से भाजपा में घमासान मचा : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कट जाने से भारतीय जनता पार्टी में घमासान मचा है। अखिलेश यादव ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा, उत्तर प्रदेश भाजपा में मचे आपसी घमासान का कारण ऊपरी तौर पर भले कोई 'विद्रोही बैठक' हो, पर असल कारण ये है कि भाजपाई विधायकों के बीच ये समाचार पहले ही प्रसारित हो चुका है कि एसआईआर में 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम कट गए हैं। मीडिया में प्रसारित खबरों के मुताबिक, 23 दिसंबर को कुशीनगर जिले से भाजपा विधायक पी. एन. पाठक के लखनऊ स्थित आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में पार्टी के ब्राह्मण विधायकों की कथित रूप से बैठक हुई। बैठक में पूर्वांचल और बुंदेलखंड के करीब 40 विधायकों ने हिस्सा लिया था हालांकि इस बैठक का कोई ब्यौरा नहीं मिल सका लेकिन इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

उपेक्षित महसूस करने के बाद संन्यास लिया था, वापसी को तैयार : वंदना कटारिया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर वंदना कटारिया ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने उपेक्षित महसूस होने के बाद इस साल संन्यास का फैसला लिया लेकिन टीम प्रबंधन अगर चाहे तो वह वापसी के लिए तैयार हैं । दो बार की ओलंपियन 33 वर्ष की कटारिया ने 15 साल के कैरियर के बाद इस साल अप्रैल में अंतरराष्ट्रीय हॉकी से विदा ली ।

उन्होंने भारत के लिए सर्वाधिक 320 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर 158 गोल किए । उन्होंने पीटीआई से कहा ,'' जब मुझे लगा कि टीम प्रबंधन को मुझसे कोई अपेक्षा नहीं है तो मैं मानसिक दबाव में आ गई । मैं फिट थी और खेलने में सक्षम भी लेकिन जब मुझे उपेक्षित महसूस होने लगा तो फिर खेलने के कोई मायने नहीं थे ।'' उन्होंने कहा ,'' मेरा मनोबल गिर गया था । हम आत्मविश्वास के साथ अभ्यास करते हैं लेकिन कई बार नतीजे नहीं मिलते ।□

लखनऊ में 'पुलिस मंथन 2025' की शुरुआत,

योगी आदित्यनाथ को दिया गया 'गार्ड ऑफ ऑनर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां पुलिस मुख्यालय में दो दिवसीय 'पुलिस मंथन 2025' की शुरुआत की और इस अवसर पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''पुलिस मुख्यालय, लखनऊ में 'पुलिस मंथन 2025' की शुरुआत- सुरक्षा, रणनीति और सुशासन का संकल्प।'' पुलिस ने एक अन्य पोस्ट में बताया, ''पुलिस मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित 'पुलिस मंथन 2025' के अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुभ आगमन पर उन्हें परंपरागत गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।''

पुलिस के मुताबिक, ''कार्यक्रम के दौरान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण और अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीएसी रामकृष्ण स्वर्णकार ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।''

उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में 27 और 28 दिसंबर को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का यह दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया है जिसमें साइबर अपराध, मानव तस्करी, सोशल

मीडिया से जुड़े मुद्दों सहित कानून-व्यवस्था से संबंधित विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी।

पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने पत्रकारों से कहा, ''इस सम्मेलन का उद्देश्य जन-केंद्रित पुलिस व्यवस्था को और सुदृढ़ करना, प्रौद्योगिकी आधारित आधुनिक पुलिस प्रणाली विकसित करना तथा अपराध और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है।'' उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोनों दिन सम्मेलन में उपस्थित रहेंगे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, 'पुलिस मंथन-2025' के पहले दिन कई विषयगत सत्र आयोजित किए गए, जिनमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष बीट पुलिसिंग, सर्वोत्तम पद्धतियों और प्रौद्योगिकी आधारित योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतियां दी गईं। बीट पुलिसिंग सत्र के दौरान, मुख्यमंत्री ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और 'बिग डेटा एनालिटिक्स' का उपयोग कर विकसित 'यक्ष' ऐप की शुरुआत की। अधिकारियों ने बताया कि यह ऐप बीट बुक का डिजिटल संस्करण है और इसमें अपराधों, अपराधियों और संवेदनशील क्षेत्रों से संबंधित व्यापक डेटा उपलब्ध होगा।

उन्होंने बताया कि इस ऐप का उद्देश्य बीट कर्मियों के दैनिक कार्य को सरल और सुव्यवस्थित बनाना, साथ ही थानावार अपराधी डेटाबेस, बीट-स्तरीय सत्यापन, एआई-आधारित संदिग्ध पहचान, वॉयस सर्च, गिरोह-संबंध विश्लेषण और गतिविधि अलर्ट जैसी सुविधाओं के माध्यम से निवारक पुलिसिंग को मजबूत करना है।

असम विधानसभा चुनाव 'स्वदेश' और 'स्वजाति' की रक्षा की लड़ाई है : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव राज्य के लोगों की पहचान, भूमि और संस्कृति के साथ-साथ 'स्वदेश' (राष्ट्र) और 'स्वजाति' (स्वयं का समुदाय) की रक्षा की लड़ाई होगी।

मुख्यमंत्री ने यहां पार्टी कार्यकारिणी की बैठक में कहा कि भाजपा उम्मीद की आखिरी रोशनी का प्रतिनिधित्व करती है, जो यह सुनिश्चित करेगी कि बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों की वजह से राज्य को अंधेरे की खाई में नहीं धकेला जाए। शर्मा ने कहा, ''आगामी चुनाव आशाओं और आकांक्षाओं के बारे में नहीं हैं। यह 'स्वदेश' और 'स्वजाति' की रक्षा के लिए खुद को समर्पित करने के बारे में है। मुझे यकीन है कि लोग जानते हैं कि भाजपा उनकी आखिरी उम्मीद है। वे हमें वोट देंगे और हम यह चुनाव जीतेंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि 'कांग्रेस की कमजोरी और उसकी ध्रुवीकरण की राजनीति' के कारण धीरे-धीरे 'एक और सभ्यता का निर्माण हुआ, जिसकी आबादी अब 1.5 करोड़' है। उन्होंने कहा, ''वर्ष 2011 की जनगणना में, जब हम हिंदू और मुसलमानों के आंकड़ों पर

गौर फरमाते हैं, तो हम पाते हैं कि मुस्लिम 34 प्रतिशत हैं, और अगर हम असमिया मूल के तीन प्रतिशत मुसलमानों को हटा दें, तो हम पाते हैं कि घुसपैठिये 31 प्रतिशत हैं।'' वर्ष 2021 में कोई जनगणना नहीं हुई और जब 2027 में होगी तो बांग्लादेशी मूल के मुसलमानों की आबादी लगभग 40 प्रतिशत होने का अनुमान है।

शर्मा ने कहा, ''कुछ लोग कह सकते हैं कि सभी सह-अस्तित्व के साथ रह सकते हैं, क्योंकि हमारा धर्म सभी का स्वागत करता है और इसमें सभी को शामिल करता है, लेकिन बांग्लादेश में हाल के घटनाक्रम ने हमें दिखाया है कि वे विशिष्टता में विश्वास करते हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब दीपू दास को बांग्लादेश में जिंदा जलाया जा सकता है, तो 'असम के लोग अच्छी तरह कल्पना कर सकते हैं कि 20 साल बाद राज्य की स्थिति क्या होगी'। उन्होंने कहा, ''धुबरी में पिछली ईद के दौरान मुझे वहां जाना पड़ा था, जब लोगों के घरों के बाहर गोमांस फेंक दिया गया था और मांस खुलेआम खाया जा रहा था। निचले और मध्य असम में हिंदू लड़कियों के 'लव जिहाद' का शिकार होने के मामले सामने आए हैं। असम के मूल निवासी अपनी जमीनें बेच रहे हैं और कस्बों एवं शहरों में जा रहे हैं। ये ऐसे मुद्दे हैं जिसने असमिया पहचान को खतरे में डाल दिया है।''

वाजपेयी की विरासत नेताओं को सुशासन सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करती है : नगालैंड के मंत्री

इम्फाल/भाषा। नगालैंड के पर्यटन मंत्री तेमजेन इम्ना अलोंग ने शनिवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की विरासत नेताओं को सुशासन सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करती है। अलोंग ने इम्फाल स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित अटल स्मृति सम्मेलन में भाग लिया और राज्य के कई विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात की।

नगालैंड के मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भाजपा की मणिपुर प्रदेश इकाई द्वारा थांबल सांगलेन में आयोजित अटल स्मृति सम्मेलन में शामिल होकर खुशी हुई, जहां भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के दृष्टिकोण, मूल्यों और राजनीतिक दूरदर्शिता को याद किया गया। उनकी विरासत हमारे देश-प्रथम शासन के प्रति प्रतिबद्धता को प्रेरित करती रहती है।'

अलोंग के साथ बैठक के बाद, मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा, हमारी साझा संस्कृति, लोगों और पूर्वोत्तर की अनूठी ताकत पर विचारों का आदान-प्रदान करते हुए एक सौहार्दपूर्ण और सार्थक बातचीत हुई।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, आज हम उन मूल्यों को कायम रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जिनके लिए वे खड़े थे और जनता के कल्याण के लिए अथक परिश्रम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ओडिशा में प्रवासी मजदूर की मौत के मामले में राज्य पुलिस ने शून्य प्राथमिकी दर्ज की : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भाजपा शासित ओडिशा के संबलपुर जिले में पश्चिम बंगाल के एक प्रवासी मजदूर की कथित हत्या के कुछ दिन बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि मामले में ''शून्य प्राथमिकी'' दर्ज कर ली गई है और जांच के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस की एक टीम पड़ोसी राज्य ओडिशा भेजी गई है। उन्होंने भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों के खिलाफ ''उत्पीड़न और हिंसा'' की निंदा की।

ओडिशा के संबलपुर जिले में बुधवार को बीड़ी को लेकर हुए विवाद के बाद पश्चिम बंगाल के प्रवासी मजदूर की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। मृतक की पहचान जुएल शेख के रूप में हुई है। ममता बनर्जी ने कहा कि इस मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस ने मुर्शिदाबाद जिले के सुती थाने में शून्य प्राथमिकी दर्ज की है और अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल पुलिस की एक टीम जांच के लिए ओडिशा गई है।'' मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर कहा, ''मैं भाजपा शासित हर राज्य में बांग्ला भाषी लोगों के खिलाफ हो रहे क्रूर उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और हिंसा की कड़ी निंदा करती हूं। हम उन प्रवासी बांग्ला भाषी परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं, जिन्हें डराया-धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया और जिन्हें अमानवीय व्यवहार का सामना करना पड़ा है। उन्हें हरसंभव सहायता दी जाएगी।''

कार्बी आंगलोंग हिंसा में 173 सुरक्षाकर्मी घायल हुए : असम पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के कार्बी आंगलोंग और वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिलों में इस हफ्ते की शुरुआत में हुई हिंसा में राज्य पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कुल 173 जवान घायल हुए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कार्बी आंगलोंग और वेस्ट कार्बी आंगलोंग में हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं और दोनों जिलों से किसी अप्रिय घटना की कोई नई खबर सामने नहीं आई है।

असम पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, वेस्ट कार्बी आंगलोंग के खेरोनी थाना क्षेत्र में 22-23 दिसंबर 2025 को हुई हिंसक झड़पों में असम पुलिस और सीआरपीएफ के 173 जवान घायल हो गए। इनमें से 139 जवानों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया, जबकि 33 अन्य को इलाज के लिए विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, दोनों जिलों में निषेधाज्ञा लागू है, इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं और सुरक्षाबल स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। कार्बी समुदाय के आंदोलनकारी आदिवासी क्षेत्रों में स्थित ग्राम चरागाह आरक्षित क्षेत्र (वीजीआर) और व्यावसायिक चरागाह आरक्षित क्षेत्र (पीजीआर) से कथित अवैध कब्जाधारियों, जिनमें से ज्यादातर बिहार के हैं, को बेदखल करने की मांग को लेकर 15 दिन से भूख हड़ताल पर थे। पुलिस सोमवार तड़के तीन आंदोलनकारियों को विरोध स्थल से ले गई, जिसके बाद प्रदर्शनकारी उग्र हो गए। बाद में प्रशासन ने दावा किया कि तीनों आंदोलनकारियों की तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके मद्देनजर उन्हें गुवाहाटी के एक अस्पताल में भर्ती कराने के लिए विरोध स्थल से ले जाया गया।

वेस्ट कार्बी आंगलोंग के खेरोनी इलाके में मंगलवार को बड़े पैमाने पर हिंसा हुई, जिसमें पुलिस की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति को भीड़ ने उसके घर के अंदर जिंदा जला दिया।

कार्बी आंगलोंग और वेस्ट कार्बी आंगलोंग में कथित अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ पिछले साल बेदखली अभियान चलाने का प्रयास किया गया था, लेकिन गुवाहाटी उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई, जिसने बेदखली प्रक्रिया पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश पारित किया।

नीतीश कुमार ने दो संग्रहालयों को जोड़ने वाली सुरंग का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'बिहार संग्रहालय' और 'पटना संग्रहालय' को जोड़ने वाली निर्माणाधीन सुरंग के कार्य का शनिवार को निरीक्षण किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। पटना संग्रहालय एक सदी से भी अधिक पुरानी इमारत है, जबकि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बिहार संग्रहालय वर्ष 2015 में खोला गया था। बिहार संग्रहालय को इसलिए स्थापित किया गया था ताकि पटना संग्रहालय की क्षमता से अधिक संग्रहों को यहां रखा जा सके।

मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सुरंग परियोजना को समय पर पूरा करने और निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा हो और नेहरू पथ पर यातायात की आवाजाही में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कुमार ने कहा कि इस सुरंग के बन जाने से पर्यटक बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय के बीच आसानी से आ-जा सकेंगे और प्रदर्शनियों को निर्बाध रूप से देख सकेंगे। उन्होंने कहा, सुरंग के पूरा होने के बाद दोनों संग्रहालयों में पर्यटकों की आवाजाही सुविधाजनक हो जाएगी, जिससे पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय (के बयान के अनुसार, नीतीश कुमार ने बिहार संग्रहालय का भी दौरा किया, जहां इसके महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने उन्हें प्रदर्शित वस्तुओं, आगंतुकों की संख्या व उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने बिहार संग्रहालय के सामने स्थित 60 आवासीय इकाइयों और अधिकारियों के छात्रावास परिसर के पुनर्विकास कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की।

पिछले एक दशक में बनारस की फिजा बदली, आम आदमी और पर्यटक खुश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। बनारस के शिवाला घाट पर अंधेरा उतर रहा है, पर्यटकों से भरीं मोटरबोट गंगा के सीने को चीरती हुईं एक घाट से दूसरे घाट पर जा रही हैं। शिवाला घाट के किनारे मंच सज चुका है और कोई छह सौ, सात सौ लोगों की भीड़ बेसब्री से एक सांस्कृतिक समारोह के शुरू होने का इंतजार कर रही है।

कुछ ही देर में घाट की सीढियों पर जब अंधेरा छा गया, मोटरबोटों पर लगी बत्तियां लहरों पर तैरते रश्मि द्वीपों सी झिलमिलाने लगीं है। बनारस की फिजा में पिछले एक दशक में काफी बदलाव आया है, घाट साफ सुथरे नजर आते हैं, पर्यटकों की आवाजाही बढ़ी है और स्थानीय लोगों का कहना है कि रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। गुलेरिया घाट से भोंसले घाट के बीच नाव चलाने वाले 27 वर्षीय राम लखन मल्लाह ने 'भाषा' से बातचीत में कहा कि मोदी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) के बनारस से सांसद बनने के बाद शहर में बहुत बदलाव आया है।

रोजाना लगभग 12 घंटे गंगा के पाट पर नाव चलाने वाले राम लखन ने बताया,''अब टूरिस्ट लोग ज्यादा आ रहे हैं। और मल्लाहों को काम भी ज्यादा मिल रहा है। रोजगार भी बढ़ गया है।'' राम लखन को हालांकि इस बात का अफसोस है कि वह 12 घंटे काम करके भी केवल 12 हजार रुपए महीना ही कमा पाता है। उसका कहना था कि गंगा में नाव चलाने के लिए हर घाट का ठेका छूटता है और केवल माझी ही घाट का ठेका हासिल कर पाते हैं। राम लखन का कहना था,''मल्लाह सब गरीब हैं। वे सब किराये की नौकाएं चलाते हैं जो घाट का ठेका हासिल करने वाले माझी की होती हैं।'' उसका सपना है कि एक दिन वह पैसा जोड़कर अपनी खुद की नाव खरीदे। ये अलग बात है कि गरीबी के चलते उसे अपना सपना साकार होता नजर नहीं आता। राम लखन ने बताया कि बनारस में नवंबर से फरवरी तक पर्यटकों का सीजन रहता है और घाट अब पहले के मुकाबले बहुत साफ सुथरे हैं। उसने बताया कि नगर निगम के कर्मचारी तीन पालियों में घाट पर साफ-सफाई का काम करते हैं।

वाराणसी में गंगा नदी के किनारे 88 घाट हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख और पौराणिक रूप से महत्वपूर्ण घाटों में अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट, मणिकर्णिका घाट, पंचगंगा घाट, और राजेंद्र प्रसाद घाट शामिल हैं। इनमें से कुछ घाट स्नान, पूजा और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए उपयोग किए जाते हैं तथा दो घाटों (मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र) का केवल श्मशान के रूप में विशेष महत्व है। दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती हो रही है, लोगों की भारी भीड़ उसे देखने को जुटी है, गंगा की लहरों में रौशनी झिलमिला रही है, कहीं कहीं श्रद्धालुओं द्वारा विसर्जित किए गए दीप भी लहरों में तैर रहे हैं।

सुविचार

मानव कल्याण ही भगवद गीता का प्रमुख उद्देश्य है, इसलिए मनुष्य को अपने कर्तव्यों का पालन करते समय, मानव कल्याण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

ट्वीट

रंग, संस्कृति, संगीत और उत्साह से भरपूर इस भव्य उत्सव का हिस्सा बनिए। परंपरा और आधुनिकता के संगम को अनुभव करें, स्थानीय कला-संस्कृति को जानें और अपनी उपस्थिति से इस आयोजन को यादगार बनाएं।

-भजनलाल शर्मा

आज श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 359वें प्रकाश पर्व के अवसर पर सिटी पैलेस स्थित सर्वतोभद्र चौक में गुरु जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा सिटी पैलेस में विराजमान गुरु जी की ऐतिहासिक तलवार की पूजा-अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

-दिया कुमारी

कहानी

पूजा गुप्ता

अंतिम संस्कार

'बस भैया, बहुत सुन लिया। बाबूजी के गुजरने के बाद मां ने हमें भूखे रहकर पाला। आज वह मर गईं, तो तुम लोगों के पास जगह नहीं है। मैं ले जाऊंगा मां को। मैं करूंगा सब काम। हां, अगर तुम लोगों के पास वक्त हो तो आ जाना! वरना लोग कहेंगे कि चार बेटों ने मां की अर्थी को कंधा भी एक साथ नहीं दिया।' गिरीश की आंखें छलक पड़ीं और वह फफक पड़ा। रविवार का दिन, वह दिन जो आमतौर पर आराम और परिवार के साथ समय बिताने का होता है। शहर के कोने में बसा आयुष्मान नर्सिंग होम भी इस रविवार की शाम को शांत और सुस्त नजर आ रहा था। नर्सिंग होम का छोटा-सा रिसेप्शन, जिसमें एक पुराना टीवी चल रहा था, वहां वार्ड ब्वॉय और नर्सें समय काटने के लिए रविवार की फिल्म देख रहे थे। फिल्म के बीच-बीच में आने वाले विज्ञापनों से वार्ड ब्वॉय का मूड खराब हो रहा था। वह बड़बड़ाता, 'ये विज्ञापन भी न, फिल्म का मजा किरकिरा कर देते हैं।' पास में बैठे कुछ मरीजों के रिश्तेदार, जो मजबूरी में वहां थे, भी उसी टीवी पर नजरें टिकाए हुए थे। उनकी आंखों में थकान और बेबसी साफ झलक रही थी। तभी बाहर सड़क पर एक ऑटो रिक्शा रुकने की आवाज आई। वार्ड ब्वॉय ने कांच की खिड़की से बाहर झांका। एक व्यक्ति, जिसके चेहरे पर घबराहट और चिंता साफ दिख रही थी, एक वृद्ध महिला को गोद में उठाए नर्सिंग होम के अंदर दाखिल हुआ। उसने महिला को सावधानी से बेंच पर लिटाया और रिसेप्शन की ओर बढ़ा।

'डॉक्टर साहब हैं?' उसने हांफते हुए पूछा। 'आज रविवार है, डॉक्टर साहब नहीं आते,' वार्ड ब्वॉय ने बिना नजरें टीवी से हटाए जवाब दिया। 'मैं गिरीश वर्मा, डॉक्टर साहब का रिश्तेदार हूं,' उस व्यक्ति ने अपनी पहचान बताई। 'डॉक्टर साहब के सारे मरीज तो रिश्तेदार ही होते हैं। मैं आठ साल से यहां काम कर रहा हूं, आपको तो कभी नहीं देखा,' वार्ड ब्वॉय ने अपना अनुभव बताया। 'हम उनके दूर के रिश्तेदार हैं,' व्यक्ति ने गलती सुधारते हुए कहा, 'देखिए, यह मेरी मां हैं। बूढ़ी हैं, बाथरूम में गिर गईं, फिर से होश नहीं आया। रुक-रुक कर सांस ले रही थीं, अब अचेत हैं। छह महीने पहले इन्हें लकवा हुआ था। प्लीज, जल्दी से डॉक्टर साहब को बुला दें।' 'मरीज की हालत देखकर लगता है कि डॉक्टर का इंतजार करने से बेहतर है कि तुरंत भर्ती कर लिया जाए। यहां डॉक्टर साहब का असिस्टेंट है। कहें तो भर्ती कर दूं?' नर्स, जो अब तक चुप थी, ने स्थिति को समझते हुए कहा। 'मैं अकेले कोई फैसला नहीं ले सकता। मेरे तीन और भाई हैं, उनके बिना मैं क्या करूं?' गिरीश ने असमंजस में कहा।

'ठीक है, जैसा आप उचित समझें। लेकिन जल्दी कीजिए, मरीज की हालत गंभीर है। कुछ भी हो सकता है।' नर्स ने गंभीर स्वर में कहा। कुछ ही देर में नर्सिंग होम में दो और लोग दाखिल हुए। एक पुरुष और एक महिला। पुरुष ने गिरीश को देखते ही पूछा, 'क्यों रे गिरीश, मां को क्या हुआ?' 'रमेश भैया,' गिरीश की आवाज कांप रही थी, 'मां बाथरूम में गिर गईं और बेहोश हो गईं। उनके हाथ-पैर ठंडे पड़ने लगे। मैं ऑटो में लेकर यहां आया। डॉक्टर साहब नहीं हैं, ये लोग कह रहे हैं कि भर्ती करा दो, वरना...' गिरीश की बात पूरी होने से पहले ही वह फफक पड़ा। 'भर्ती कराने में क्या दिक्कत है? मां को भर्ती क्यों नहीं कर लेते?' रमेश ने वार्ड ब्वॉय की ओर देखते हुए पूछा। 'दो हजार रुपये जमा कर दीजिए, मरीज को भर्ती कर लेंगे,' वार्ड ब्वॉय ने टीवी से नजरें हटाए बिना जवाब दिया। 'भाई, डॉक्टर साहब हमारे पहचान के हैं,' रमेश ने जोर देकर कहा। 'पैसे जमा कराने का नियम भी उन्हीं का है। पैसे जमा कर दीजिए, ताकि मरीज को दवा-दारू शुरू हो सके।' वार्ड ब्वॉय ने दो टूक जवाब दिया।

'भैया, यह जगह हिसाब करने की नहीं है। मां को बचाने की है।' गिरीश की आंखें भर आईं और वह रो पड़ा। तभी नर्सिंग होम में डॉक्टर की कार रुकी। डॉक्टर ने कार से उतरते ही सबको देखा और मुस्कुराते हुए कहा, 'आज सारा वर्मा परिवार एक साथ! अच्छी बात है।' वह जनरल वार्ड में गए और बेड नंबर चार पर रुके। उन्होंने मां की नब्ज टटोली और वार्ड ब्वॉय को कहा, 'विवेक, टॉर्च लेकर आओ।' वार्ड ब्वॉय टॉर्च लेकर पहुंचा। डॉक्टर ने मां की आंखें खोली और टॉर्च से रोशनी डाली, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने पलकें बंद कीं और चादर ओढ़ा दी। बाहर निकलकर उन्होंने शिवप्रकाश को बुलाया और धीमे स्वर में कहा, 'सॉरी शिवप्रकाश, मां मर चुकी हैं।

'क्यों रे, पैसे क्यों नहीं जमा किए?' रमेश ने गिरीश की ओर देखकर पूछा। 'रमेश भैया, चार महीने से मां मेरे पास हैं। उनकी देखभाल, दवा-दारू का खर्च मैं ही उठा रहा हूं। नगर निगम के मोहर्रिर को मिलता ही कितना है? हम चारों भाइयों ने मिलकर तय किया था कि तीन-तीन महीने मां को अपने पास रखेंगे।' गिरीश ने लाचार स्वर में कहा। 'शैलजा, तुम मां की देखभाल करो। मैं डॉक्टर साहब को लेकर आता हूं।' रमेश ने एक पल सोचकर कहा और स्कूटर लेकर नर्सिंग होम से बाहर निकल गया। रास्ते में एक टेलीफोन बूथ पर रुककर उसने सबसे बड़े भाई शिवप्रकाश को फोन लगाया। 'भैया, मां बहुत सीरियस हैं। गिरीश उन्हें आयुष्मान नर्सिंग होम लेकर आया है। आप जल्दी पहुंचें। और हां, तीन हजार रुपये भी साथ लाएं। मैं भी कुछ पैसे लेकर डॉक्टर साहब को लेते हुए पहुंच रहा हूं।' इतना कहकर रमेश ने फोन काट दिया। 'किसका फोन था?' शिवप्रकाश की पत्नी सविता ने पूछा। 'चलो, आयुष्मान नर्सिंग होम। मां भर्ती हैं। रमेश का फोन था। एक-दो हजार रुपये भी रख लो।' शिवप्रकाश ने जवाब दिया। 'पैसे रखना जरूरी है?' सविता ने तंज भरे लहजे में पूछा। 'बड़ा हूं, फर्ज तो निभाना पड़ेगा।' शिवप्रकाश ने कहा। 'रमेश के पास पैसे नहीं हैं?' सविता ने फिर सवाल किया। शिवप्रकाश ने बिना जवाब दिए पैसे निकाले और सविता के साथ नर्सिंग होम के लिए निकल पड़ा।

नर्सिंग होम पहुंचते ही शिवप्रकाश ने गिरीश को देखकर पूछा, 'क्यों रे, भर्ती के लिए पैसे नहीं थे तो फोन क्यों नहीं किया?' 'भैया, रमेश भैया को फोन किया था। उन्होंने कहा था कि वे आपको फोन करेंगे, इसलिए मैंने आपको सीधे फोन नहीं किया।' गिरीश ने सफाई दी। 'तो क्या हुआ? तुम फोन कर देते तो क्या बिगड़ जाता?' शिवप्रकाश ने सिगरेट जलाते हुए तल्खी से कहा। 'भैया, आपके यहां जब भी फोन किया, हमेशा यही जवाब मिला कि आप नहीं हैं। भाभी से पूछ लीजिए।' गिरीश ने जवाब दिया। 'खैर, चिंता मत करो। मैं देखता हूं,' शिवप्रकाश ने कहा और रिसेप्शन काउंटर पर पहुंचा। 'मैडम, मां को भर्ती करना है।' 'ठीक है, यह फॉर्म भर दीजिए और दो हजार रुपये जमा कर दीजिए,' नर्स ने कहा।

'हमें डॉक्टर साहब अच्छे से जानते हैं,' शिवप्रकाश ने रौब झाड़ते हुए कहा। 'सर, मरीज को भर्ती करने से पहले कन्सेंट जरूरी है।' नर्स ने स्पष्ट किया। शिवप्रकाश ने फॉर्म लिया और मां का नाम, पिता का नाम और उम्र जल्दी-जल्दी भर दी। लेकिन जब पते का कॉलम आया, उनकी कलम रुक गई। वह एक पल के लिए असमंजस में पड़ गया। फिर बोला, 'एक्सक्यूज मी, मैडम, यह रुपये रखिए। फॉर्म मैं भरकर देता हूं।' 'सॉरी सर, फॉर्म जरूरी है। मरीज को कुछ हो जाए तो बहुत लफड़ा होता है।' नर्स ने सख्ती से कहा। 'गिरीश, इधर आ। मां को अभी कहां रहना था? रमेश के पास या महेश के पास?' शिवप्रकाश ने गिरीश को बुलाकर पूछा।

'महेश भैया के पास।' गिरीश ने जवाब दिया। शिवप्रकाश ने महेश का पता फॉर्म में भरा और महेश वर्मा के नाम से दस्तखत कर दिए। नर्स ने फॉर्म लिया और मरीज को भर्ती करने का आदेश दिया। वार्ड ब्वॉय और नर्स ने स्ट्रेचर लाकर वृद्ध महिला को जनरल वार्ड के बेड नंबर चार पर ले गए। असिस्टेंट ने उनका ब्लड प्रेशर नापा, थर्मामीटर लगाया और ग्लूकोज की बोतल चढ़ा दी। शिवप्रकाश, सविता और गिरीश कोने में खड़े थे। तभी रमेश अपनी पत्नी शैलजा के साथ वापस आया और शिवप्रकाश व सविता के पैर छुए। 'क्यों रमेश, कैसे हो?' शिवप्रकाश ने पूछा। 'बस भैया, क्या बताऊं, धंधे में लगातार घाटा हो रहा है। आपके पैसे भी नहीं लौटा पा रहा। आज मेरी लाचारी देखिए, मां के भर्ती के पैसे भी मेरे पास नहीं हैं।'

रमेश ने लाचारी भरे स्वर में कहा। 'फोन पर तो तुम पैसे लेकर आने की बात कह रहे थे।' शिवप्रकाश ने तंज कसा। 'घबराहट में बोल गया होगा भैया। वरना मेरी स्थिति तो गिरीश से भी बदतर है। लेकिन यह वक्त इन बातों का नहीं। अभी मां की जान बचाना जरूरी है।' रमेश ने कहा। 'जान बचाने के लिए तुम्हारे बड़े भैया हैं। लेकिन उसके बाद कौन देखेगा? महेश को भी बुला लो, ताकि वह यह न कहे कि उसे बताया नहीं गया।' सविता, जो अब तक चुप थी, बोली। 'वह जोरू का गुलाम क्या पूछेगा, भाभी? मां को रखने की जिम्मेदारी उसकी थी, लेकिन ताला लगाकर भाग गया।' गिरीश ने गुस्से में कहा।

'देखो, हम तीनों यहीं हैं। मां की देखभाल का नियम हम चारों ने मिलकर बनाया था। महेश को भी बात माननी होगी। सबसे पहले वह गिरीश को एक महीने का खर्च दे दे। मां ठीक होती हैं तो तीन महीने अपने पास रखे।' शिवप्रकाश ने बड़प्पन दिखाते हुए कहा। 'और अगर वह नहीं रखेगा तो?' रमेश ने पूछा। 'कैसे नहीं रखेगा? मां सबकी है, जिम्मेदारी भी सबकी है।' शिवप्रकाश ने जोर देकर कहा। 'बड़े भैया, मेरी कमाई इतनी नहीं कि मैं तीन महीने भी मां को रख सकूं। लेकिन अगर सब पैसे की मदद करें तो मैं मां को जिंदगी भर अपने पास रख सकता हूं।' गिरीश ने भावुक होकर कहा। तभी महेश और उसकी पत्नी नर्सिंग होम पहुंचे। महेश ने बिना किसी अभिवादन के पूछा, 'मां कैसी हैं, भैया?' 'तुम्हें मां से क्या? अपने घर में नहीं रख सकते। ताला लगाकर भाग जाते हो। बड़े आए पूछने वाले।' गिरीश ने नाराजगी दिखाई। 'मैं तुम जैसे छोटे लोगों के मुंह नहीं लगता। जरूरी काम था, इसलिए गया था।' महेश ने तल्खी से कहा। 'एक महीने से इसी शहर में हो। मां का ख्याल था तो लेने क्यों नहीं आए?' गिरीश ने सवाल किया। 'मैंने ठेका नहीं ले रखा है। मेरी अपनी परेशानियां हैं। मैं मां को नहीं रख सकता। हां, पैसे की मदद कर सकता हूं।' महेश ने अकड़ के साथ कहा। 'महेश, पैसे का घमंड ठीक नहीं। फिर भी अगर तुम्हारे पास पैसे हैं तो गिरीश को मां के एक महीने का खर्च और दवा-दारू का खर्च दे दो।' शिवप्रकाश ने कहा। 'कितना खर्च हुआ तेरा, बता?' महेश ने गिरीश की ओर देखकर पूछा।

'भैया, यह जगह हिसाब करने की नहीं है। मां को बचाने की है।' गिरीश की आंखें भर आईं और वह रो पड़ा। तभी नर्सिंग होम में डॉक्टर की कार रुकी। डॉक्टर ने कार से उतरते ही सबको देखा और मुस्कुराते हुए कहा, 'आज सारा वर्मा परिवार एक साथ! अच्छी बात है।' वह जनरल वार्ड में गए और बेड नंबर चार पर रुके। उन्होंने मां की नब्ज टटोली और वार्ड ब्वॉय को कहा, 'विवेक, टॉर्च लेकर आओ।' वार्ड ब्वॉय टॉर्च लेकर पहुंचा। डॉक्टर ने मां की आंखें खोली और टॉर्च से रोशनी डाली, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने पलकें बंद कीं और चादर ओढ़ा दी। बाहर निकलकर उन्होंने शिवप्रकाश को बुलाया और धीमे स्वर में कहा, 'सॉरी शिवप्रकाश, मां मर चुकी हैं। गर्मी का मौसम है, लाश ज्यादा देर नहीं रखी जा सकती। सुबह जल्दी अंतिम संस्कार करवा देना, वरना दुर्गंध आने लगेगी।'

'जी, डॉक्टर साहब।' शिवप्रकाश ने भारी मन से कहा। 'मैं डिस्चार्ज पेपर बना देता हूं। मैडम, शिवप्रकाश जी ने जो पैसे दिए हैं, वापस कर दो,' डॉक्टर ने रिसेप्शन पर कहा। 'सर, एक ग्लूकोज की बोतल लगी थी,' नर्स ने याद दिलाया। 'कोई बात नहीं। शिवप्रकाश जी पैसे वापस ले लेंगे। घर की बात है।' डॉक्टर ने कहा और चले गए।

शिवप्रकाश भारी कदमों से भाइयों के पास लौटा। 'मां हम सबको छोड़कर चली गईं। डॉक्टर साहब का कहना है कि गर्मी का मौसम है, अंतिम संस्कार सुबह जल्दी करना होगा, वरना दुर्गंध आएगी। मेरे घर में अंतरा और मिनी की पीएमटी की परीक्षा एक हफ्ते बाद है, इसलिए अंतिम संस्कार और बाकी कार्यक्रम तुम तीनों में से किसी एक के यहां कराना ठीक रहेगा।' 'मेरी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। आपके पैसे भी नहीं लौटा पा रहा हूं।' रमेश ने तुरंत हाथ खड़े कर दिए। 'मैं भी पंद्रह दिन का समय नहीं दे पाऊंगा। हां, पैसे की मदद कर सकता हूं।' महेश ने पल्ला झाड़ते हुए कहा। 'बस भैया, बहुत सुन लिया। बाबूजी के गुजरने के बाद मां ने हमें भूखे रहकर पाला। आज वह मर गईं, तो तुम लोगों के पास जगह नहीं है। मैं ले जाऊंगा मां को। मैं करूंगा सब काम। हां, अगर तुम लोगों के पास वक्त हो तो आ जाना! वरना लोग कहेंगे कि चार बेटों ने मां की अर्थी को कंधा भी एक साथ नहीं दिया।' गिरीश की आंखें छलक पड़ीं और वह फफक पड़ा। (साभार : द ट्रिब्यून)

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

संतुलन

मुंबई में हूँ और सुबह का भ्रमण कर रहा हूँ। यह इलाका संभवत: ऊँचे पहाड़ को काटकर विकसित किया गया है। नीचे समतल से लेकर ऊपर तक अट्टालिकाओं का जाल। अच्छी बात यह है कि विशेषकर पुरानी सोसायटियों के चलते परिसर में हरियाली बची हुई है। जैसे-जैसे ऊँचाई की ओर चलते हैं, अधिकांश लोगों की गति धीमी हो जाती है, साँसें फूलने लगती हैं। लोगों के जोर से साँस भरने की आवाज़ें मेरे कानों तक आ रही हैं। लम्बा चक्कर लगा चुका। उसी रास्ते से लौटता हूँ। चढ़ाव, ढलान में बदल चुका है। अब कदम ठहर नहीं रहे। लगभग दौड़ते हुए ढलान से उतरना पड़ता है।

दृश्य से उभरता है दर्शन, पार्थिव में दिखता है सनातन। मनुष्य द्वारा अपने उत्थान का प्रयास, स्वयं को निरंतर बेहतर करने का प्रवास लगभग ऐसा ही होता है। प्रयत्नपूर्वक, परिश्रमपूर्वक एक -एक कदम रखकर, व्यक्ति जीवन में ऊँचाई की ओर बढ़ता है। ऊँचाई की यात्रा श्रमसाध्य, समयसाध्य होती है, दम फुलाने वाली होती है। लुढ़कना या गिरना इसके ठीक विपरीत होता है। व्यक्ति जब लुढ़कता या गिरता है तो गिरने की गति, चढ़ने के मुकाबले अनेक गुना अधिक होती है। इतनी अधिक कि अधिकांश मामलों में ठहर नहीं पाता मनुष्य। मनुष्य जाति का अनुभव कहता है कि ऊँचाई की यात्रा से अधिक कठिन है ऊँचाई पर टिके रहना।

काम, क्रोध, लोभ, मोह, मत्सर, विषयभोगों के पीछे भागने की अति, धन-संपदा एकत्रित करने की अति, नाम कमाने की अति। यद्यपि कहा गया है कि 'अति सर्वत्र वर्ज्येत', तथापि अति अनंत है। हर पार्थिव अति मनुष्य को ऊँचाई से नीचे की ओर धकेलती है और अपने आप को नियंत्रित करने में असमर्थ मनुज गिरता-गिरता पड़ता रसातल तक पहुँच जाता है।

विशेष बात यह है कि ऊँचाई और ढलान एक ही विषय के दो रूप हैं। इसे संदर्भ के अनुसार समझा जा सकता है। आप कहाँ खड़े हैं, इस पर निर्भर करेगा कि आप ढलान देख रहे हैं या ऊँचाई। अपनी आँखों में संतुलन को बसा सकने वाला न तो ऊँचाई से हर्षित होता है, न ढलान से व्यथित। अलबत्ता 'संतुलन' लिखने में जितना सरल है, साधने में उतना ही कठिन। कई बार तो लख चौरासी भी इसके लिए कम पड़ जाते हैं।

बोध कथा

बगुला भगत और केकड़ा

एक वन प्रदेश में एक बहुत बड़ा तालाब था। हर प्रकार के जीवों के लिए उसमें भोजन सामग्री होने के कारण वहां नाना प्रकार के जीव, पक्षी, मछलियां, कछुए और केकड़े निवास करते थे। पास में ही बगुला रहता था, जिसे परिश्रम करना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था। उसकी आंखें भी कमजोर थीं। मछलियां पकडने के लिए तो मेहनत करनी पड़ती हैं, जो उसे खलती थी। इसलिए आलस्य के मारे वह प्रायः भूखा ही रहता। एक टांग पर खड़ा यही सोचता रहता कि क्या उपाय किया जाए कि बिना हाथ-पैर हिलाए रोज भोजन मिले। एक दिन उसे एक उपाय सूझा तो वह उसे आजमाने बैठ गया।बगुला तालाब के किनारे खड़ा हो गया और लगा आंखों से आंसू बहाने। एक केकड़े ने उसे आंसू बहाते देखा तो वह उसके निकट आया और पूछने लगा मामा, क्या बात है भोजन के लिए मछलियों का शिकार करने की बजाय खड़े आंसू बहा रहे हो?बगुले ने जोर की हिचकी ली और भर्राए गले से बोला बेटे, बहुत कर लिया मछलियों का शिकार। अब मैं यह पाप कार्य और नहीं करुंगा। मेरी आत्मा जाग उठी हैं। इसलिए मैं निकट आई मछलियों को भी नहीं पकड़ रहा हूं। तुम तो देख ही रहे हो।

केकड़ा बोला मामा, शिकार नहीं करोगे, कुछ खाओगे नही तो मर नहीं जाओगे?बगुले ने एक और हिचकी ली ऐसे जीवन का नष्ट होना ही अच्छा है बेटे, वैसे भी हम सबको जल्दी मरना ही हैं। मुझे ज्ञात हुआ हैं कि शीघ्र ही यहां बारह वर्ष लंबा सूखा पड़ेगा।बगुले ने केकड़े को बताया कि यह बात उसे एक त्रिकालदर्शी महात्मा ने बताई है, जिसकी भविष्यवाणी कभी गलत नहीं होती। केकड़े ने जाकर सबको बताया कि कैसे बगुले ने बलिदान व भक्ति का मार्ग अपना लिया है और सूखा पड़ने वाला है। उस तालाब के सारे जीव मछलियां, कछुए, केकड़े, बत्तख व सारस आदि दौड़े-दौडे बगुले के पास आए और बोले भगत मामा, अब तुम ही हमें कोई बचाव का रास्ता बताओ। अपनी अक्ल लड़ाओ तुम तो महाज्ञानी बन ही गए हो। बगुले ने कुछ सोचकर बताया कि वहां से कुछ कोस दूर एक जलाशय हैं जिसमें पहाड़ी झरना बहकर गिरता हैं। वह कभी नहीं सूखता। यदि जलाशय के सब जीव वहां चले जाएं तो बचाव हो सकता है। अब समस्या यह थी कि वहां तक जाया कैसे जाएं? बगुले भगत ने यह समस्या भी सुलझा दी मैं तुम्हें एक-एक करके अपनी पीठ पर बिठाकर वहां तक पहुंचाऊंगा क्योंकि अब मेरा सारा शेष जीवन दूसरों की सेवा करने में ही तो गुजरेगा। सभी जीवों ने गद-गद होकर 'बगुला भगतजी की जै' के नारे लगाए। अब बगुला भगत के पौ-बारह हो गई। वह रोज एक जीव को अपनी पीठ पर बिठाकर ले जाता और कुछ दूर ले जाकर एक चट्टान के पास जाकर उसे उस पर पटककर मार डालता और खा जाता। कभी मूड हुआ तो भगतजी दो फेरे भी लगाते और दो जीवों को चट कर जाते तालाब में जानवरों की संख्या घटने लगी। चट्टान के पास मरे जीवों की हड्डियों का ढेर बढ़ने लगा और भगतजी की सेहत बनने लगी। खा-खाकर वह खूब मोटे हो गए। मुख पर लाली आ गई और पंख चर्बी के तेज से चमकने लगे। उन्हें देखकर दूसरे जीव कहते देखो, दूसरों की सेवा का फल और पुण्य भगतजी के शरीर को लग रहा है।

बगुला भगत मन ही मन खूब हंसता। वह सोचता कि देखो दुनिया में कैसे-कैसे मूर्ख जीव भरे पड़े हैं, जो सबका विश्वास कर लेते हैं। ऐसे मूर्खों की दुनिया में थोड़ी चालाकी से काम लिया जाए तो मजे ही मजे हैं। बिना हाथ-पैर हिलाए खूब दावत उड़ाई जा सकती है। बहुत दिन यही क्रम चला। एक दिन केकड़े ने बगुले से कहा मामा, तुमने इतने सारे जानवर यहां से वहां पहुंचा दिए, लेकिन मेरी बारी अभी तक नहीं आई। भगतजी बोले बेटा, आज तेरा ही नंबर लगाते हैं, आजा मेरी पीठ पर बैठ जा। केकड़ा खुश होकर बगुले की पीठ पर बैठ गया। जब वह चट्टान के निकट पहुंचा तो वहां हड्डियों का पहाड देखकर केकड़े का माथा ठनका। वह हकलाया यह हड्डियों का ढेर कैसा हैं? वह जलाशय कितनी दूर है मामा?बगुला भगत ठां-ठां करके खुब हंसा और बोला मूर्ख, वहां कोई जलाशय नहीं है। मैं एक-एक को पीठ पर बिठाकर यहां लाकर खाता रहता हूं। आज तु मरेगा।केकड़ा सारी बात समझ गया। वह सिहर उठा परन्तु उसने हिम्मत न हारी और तुरंत अपने पंजों को आगे बढ़ाकर उनसे दुष्ट बगुले की गर्दन दबा दी और तब तक दबाए रखी, जब तक उसके प्राण पखेरु न उड़ गए।फिर केकड़ा बगुले भगत का कटा सिर लेकर तालाब पर लौटा और सारे जीवों को सच्चाई बता दी कि कैसे दुष्ट बगुला भगत उन्हें धोखा देता रहा।

वीर गाथा

मेजर मनजीत सिंह : ग्रेनेड फेंक रहे आतंकवादी को ढेर कर बचाईं कई जानें

मेजर मनजीत सिंह का जन्म हरियाणा में हिसार जिले के मिर्चपुर गांव में हुआ था। माता निर्मला देवी और पिता बीरभान सिंह के बेटे मनजीत ने शुरुआती पढ़ाई गांव के सरकारी स्कूल से की थी। वे दिल्ली से बीएससी करने के बाद साल 2016 में भारतीय सेना की पंजाब रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। उन्हें प्रशिक्षण के बाद राष्ट्रीय राइफल्स की 22वीं बटालियन में भेज दिया गया। 25 अप्रैल, 2024 को मेजर मनजीत को अपने खुफिया नेटवर्क के जरिए दो विदेशी आतंकवादियों के बारे में सूचना मिली, जो जम्मू-कश्मीर में सोपोर ज़िले के एक गांव में छिपे हुए थे। मनजीत ने आतंकवादियों के ठिकाने का पता लगाकर जवानों के साथ घेराबंदी शुरू की। इससे घबराए आतंकवादी गोलीबारी करने लगे। उन्होंने रात को घेराबंदी तोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन मनजीत ने उनके मंसूबों को नाकाम कर दिया।

अगले दिन सुबह लगभग 5.30 बजे एक आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर नजदीक स्थित बगीचे में घुस गया। मनजीत ने उसे देख लिया था। वहां आम नागरिक भी थे, जिन्हें आतंकवादी नुकसान पहुंचा सकता था। मनजीत ने उस इलाके को खाली करवाया। हालांकि अभी खतरा पूरी तरह टला नहीं था। आतंकवादी किसी घर में घुसकर लोगों को नुकसान पहुंचाना चाहता था। वह अंधाधुंध गोलीबारी भी कर रहा था। उसे देखकर मेजर मनजीत ने बहुत बड़ा जोखिम लिया। वे रेंगते हुए उस आतंकवादी की ओर बढ़े। उन्होंने देखा कि आतंकवादी ने हैंड ग्रेनेड निकाल लिया। वह उसे जवानों की ओर फेंकने ही वाला था कि मनजीत ने गोली चलाकर उसे ढेर कर दिया। इस असाधारण वीरता और उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए मेजर मनजीत सिंह को 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैयाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विरोध

ऋषिकेश में शनिवार को सरकारी जंगल की ज़मीन को लीज़ पर देने की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सर्वे टीम के आने पर लोग विरोध करते हुए।

समान अवसर मिलने पर महिलाएं पुरुषों के बराबर या उनसे बेहतर प्रदर्शन करती हैं: राजनाथ सिंह

वलसाड (गुजरात)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि महिलाओं ने साबित कर दिया है कि जब भी उन्हें समान अवसर मिलते हैं, तो वे पुरुषों के बराबर या उनसे भी बेहतर प्रदर्शन करती हैं।

गुजरात के वलसाड जिले के धरमपुर में श्रीमद राजचंद्र सर्वमंगल महिला उत्कृष्टता केंद्र का उदघाटन करने के बाद सिंह ने कहा कि जैन आध्यात्मिक गुरु श्रीमद राजचंद्रजी ने अपने छोटे से जीवन में जो विरासत छोड़ी है वह सदियों तक लोगों का मार्गदर्शन करती रहेगी।

वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'वर्चुअल' तरीके से केंद्र की आधारशिला रखी थी, जो 11 एकड़ में फैला है और महिलाओं को कौशल विकास और आजीविका में सुधार में सहायता करता है।

श्रीमद राजचंद्र एक जैन मुनि, कवि, रहस्यवादी, दार्शनिक और 19वीं सदी के अंत के एक प्रमुख सुधारक थे। उनके भक्त गुरुदेव श्री राकेशजी ने एक आध्यात्मिक संगठन श्रीमद राजचंद्र मिशन धरमपुर की स्थापना की।

सिंह ने कहा, मेरा मानना है कि जो महिलाएं यहां काम करेंगी, वे न केवल सशक्त होंगी बल्कि आत्मनिर्भर भी बनेंगी और उन्हें अपने तरीके से आध्यात्मिक चिंतन में शामिल होने का अवसर और समय मिलेगा।

सिंह ने 'स्वरोजगार महिला संघ' (सेवा) की इला भट्ट और श्री महिला गृह उद्योग की संस्थापक जसवंतीबेन पोपट का उदाहरण देते हुए कहा, महिलाओं ने साबित कर दिया है कि जब भी उन्हें समान अवसर दिए गए हैं, उन्होंने पुरुषों के बराबर या उससे भी बेहतर प्रदर्शन किया है। सिंह ने कहा कि उत्कृष्टता केंद्र, जिसका प्रबंधन पूरी तरह से ग्रामीण महिलाओं द्वारा किया जाएगा, महिला उद्यमिता को और मजबूत करेगा और महिला सशक्तिकरण और महिला नेतृत्व वाले विकास का एक उत्कृष्ट उदाहरण स्थापित करेगा। उन्होंने कहा, यह परिसर महिला सशक्तिकरण के आर्थिक और सामाजिक दोनों पहलुओं को बढ़ावा दे रहा है। एक बार जब यहां के उत्पाद वैश्विक बाजार में पहुंच जाएंगे, तो यह हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत पहल को प्रोत्साहित करेगा।

सिंह ने कहा कि लगभग 150 साल पहले श्रीमद राजचंद्रजी द्वारा फिर से दिखाए गए 'मुक्ति मार्ग' ने एक नए युग के लिए आध्यात्मिकता की नींव रखी है। लगभग 2,500 साल पहले भगवान महावीर द्वारा पहली बार यह मार्ग दिखाया गया था।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के लिए ब्रिटेन लेगा राजशाही की मदद: रिपोर्ट

लंदन/भाषा। ब्रिटेन की राजशाही के वरिष्ठ सदस्यों को अमेरिका के साथ बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एक विशेष कूटनीतिक अभियान के तहत सक्रिय किया जा सकता है। एक रिपोर्ट में शनिवार को यह जानकारी दी गई। इसके अनुसार राजा चार्ल्स तृतीय अगले साल की पहली छमाही में वॉशिंगटन की यात्रा कर सकते हैं। ऐसा हुआ तो यह लगभग 20 वर्षों में किसी मौजूदा ब्रिटिश राजा की पहली अमेरिका यात्रा होगी। 'द टाइम्स' अखबार ने सूत्रों के हवाले से यह बात कही।

वेल्स के राजकुमार प्रिंस विलियम भी उत्तरी अमेरिका की यात्रा पर जा सकते हैं, जब जुलाई में अमेरिका कनाडा और मैक्सिको के साथ मिलकर फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी करेगा। दोनों यात्राओं की योजनाएं अभी प्रारंभिक चरण में हैं और अमेरिका की ओर से औपचारिक निमंत्रण आना बाकी है। अखबार के मुताबिक इस बात की कोशिश की जा रही है कि इन यात्राओं का समय अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के अवसर के साथ मेल खाए।

इसबीच ब्रिटेन तथा अमेरिका के बीच औपचारिक व्यापार समझौते पर बातचीत भी जारी है। इस महीने अमेरिकी प्रशासन ने ऑनलाइन सुरक्षा नियमों, डिजिटल सेवा कर और खाद्य सुरक्षा प्रतिबंधों से जुड़ी नियामक अड़चनों के कारण ब्रिटिश प्रौद्योगिकी क्षेत्र में प्रस्तावित 31 अरब पाउंड के निवेश को अस्थायी रूप से रोक दिया था। इसकी घोषणा सितंबर में ट्रंप की भव्य राजकीय यात्रा के दौरान हुई थी।

पित्रोदा ने अनजाने में खुलासा किया कि कांग्रेस भारत-विरोधी वैश्विक गठबंधन का हिस्सा है: भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आरोप लगाया कि सैम पित्रोदा ने यह खुलासा करते हुए अनजाने में कांग्रेस का असली चेहरा उजागर कर दिया है कि कांग्रेस एक भारत विरोधी वैश्विक गठबंधन का हिस्सा है। इसने कहा कि राहुल गांधी अक्सर विदेश जाकर संबंधित गठबंधन के कार्यक्रमों में इस उम्मीद के साथ भाग लेते हैं कि उनकी पार्टी इसके समर्थन से केंद्र में सत्ता में वापस आ जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पित्रोदा द्वारा एक समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार में की गई टिप्पणियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस के विदेश विभाग के अध्यक्ष ने खुलासा किया कि पार्टी 'ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस' (जीपीए) में एक आधिकारिक पद रखती है और गांधी इसके अध्यक्षीय मंडल का हिस्सा हैं। भाजपा के राज्यसभा सदस्य ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक प्रेसवार्ता में कहा कि राहुल गांधी के पारंपरिक पारिवारिक सलाहकार और उनकी सोच एवं मनोविज्ञान के सूत्रधार सैम पित्रोदा ने कल एक साक्षात्कार में अनजाने में कांग्रेस का असली चेहरा उजागर कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 'ग्लोबल प्रोग्रेसिव अलायंस' का हिस्सा है और राहुल गांधी हाल ही में इसकी बैठक में भाग लेने के लिए जर्मनी गए थे।

मीटिंग

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी सांसद सोनिया गांधी और अन्य लोगों के साथ कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग में भाग लेते हुए।

मनीष पॉल ने दी सलमान खान को जन्मदिन की शुभकामनाएं

मुंबई/एजेन्सी

आज सलमान खान अपने 60वें जन्मदिन का जश्न मना रहे हैं और मनोरंजन जगत से मिल रही बधाइयाँ उनके प्रति साथियों के गहरे सम्मान और स्नेह को दर्शा रही हैं। इन्हीं में से एक खास और भावुक संदेश अभिनेता और होस्ट मनीष पॉल का रहा, जिसने सिर्फ जश्न ही नहीं बल्कि आभार और अपनापन भी व्यक्त किया। मनीष पॉल ने सोशल मीडिया पर सुपरस्टार के लिए एक गर्मजोशी भरा नोट साझा करते हुए लिखा, हैप्पी बर्थडे, सलमान खान भाईजान !!! आपने हमें जो प्यार और अपनापन दिया है, उसके लिए दिल से धन्यवाद!!! लव यू भाई सोशल मीडिया पर वाइरल हो चुके इस पोस्ट ने जहां मनीष पॉल के साथ सलमान खान के फैंस के दिलों को छू गया, वहीं इस पोस्ट के ज़रिए दोनों के बीच के निजी और सम्मानपूर्ण रिश्ते की झलक भी उनके फैंस को मिल गई। फिलहाल अपनी सकारात्मक ऊर्जा और सादगी के लिए जाने जाने वाले मनीष पॉल अक्सर इंडस्ट्री में रिश्तों की अहमियत पर बात करते रहे हैं। सलमान खान के लिए उनकी यह जन्मदिन की शुभकामना भी इसी सोच को दर्शाती है, जिसमें सलमान की दरियादिली और लोगों को अपनापन देने की खासियत साफ नजर आती है। रही बात सलमान खान की, तो उनकी सिनेमाई विरासत जगजाहिर है, लेकिन ऐसे पल उनके ऑफ-स्क्रीन प्रभाव को भी उजागर करते हैं।

मनीष पॉल के इस सरल लेकिन दिल से निकले संदेश के जरिए यह साफ महसूस होता है कि सलमान खान इंडस्ट्री में कितनी गर्मजोशी और सम्मान के साथ देखे जाते हैं।

जश्न

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान शुक्रवार को मुंबई के पास पनवेल में अपने 60वें जन्मदिन के जश्न के दौरान केक काटते हुए ।

तनिषा मुखर्जी ने कुल्हड़ वाली चाय के साथ बिताए सुकून भरा पल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री तनिषा मुखर्जी ने हाल ही में अपने फैंस के साथ सादगी भरी खुशी का एक खूबसूरत पल साझा किया। उन्होंने अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह गरम-गरम कुल्हड़ वाली चाय का आनंद लेती नजर आ रही हैं। सर्दियों के मौसम को पूरी तरह महसूस करती हुईं तनिषा चाय की चुस्कियों के साथ बेहद सुकून और खुश नजर आईं, जो इस मौसम की खूबसूरती को बखूबी दर्शाता है। पोस्ट के कैप्शन में तनिषा ने लिखा, ठंडी और गरम-गरम कुल्हड़ वाली चाय हळीी वळषशीशपीं, जो फैंस को तुरंत पसंद आ गया। यह लाइन ठंडे मौसम में गरम चाय से मिलने वाले आराम और गर्माहट को खूबसूरती से बयां करती है, खासकर जब चाय मिट्टी के कुल्हड़ में हो। फैंस ने भी तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में दिल वाले इमोजी और रिलेटेबल कमेंट्स की भरमार कर दी। सभी इस बात से सहमत नजर आए कि कुल्हड़ की चाय का अपना ही एक अलग आकर्षण होता है। सोशल मीडिया पर अपने रियल और सादे अंदाज़ के लिए जानी जाने वाली तनिषा अक्सर ऐसे पल साझा करती हैं, जो उनकी सादगी, वेलनेस और माइंडफुल लाइफस्टाइल को दर्शाते हैं।

चाय की गर्माहट के साथ-साथ यह पोस्ट तनिषा की जमीन से जुड़ी सोच और रोज़मर्रा की छोटी-छोटी खुशियों में आनंद ढूंढने की उनकी आदत को भी दर्शाती है। चाहे फिटनेस हो, ट्रैवल हो या खुद के साथ बिताए गए शांत पलतनिषा अपनी ज़िंदगी की सच्ची झलकियों के ज़रिए फैंस से जुड़ती रहती हैं, जिससे उनकी यह विंटर चाय ब्रेक और भी रिलेटेबल और ताज़गी भरी लगती है।

विजय थलापति की 'फैन गर्ल' हैं मालविका मोहनन

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार और राजनेता थलापति विजय की अपकमिंग फिल्म 'जन नायगन' का ऑडियो लॉन्च होने को तैयार है, जिसे लेकर अभिनेत्री मालविका मोहनन ने अपनी खुशी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जाहिर की। मालविका ने बताया कि वह विजय की 'फैन गर्ल' हैं। मालविका ने खुद को थलापति विजय की फैन गर्ल बताया और कहा कि वे हमेशा उनके और उनकी टीम के लिए चीयर करती रहेंगी। मालविका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि विजय के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा। इसके लिए उन्होंने खुद को लकी भी बताया। मालविका ने पोस्ट में लिखा, इससे पहले कि मैं अपनी फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट में बिजी हो जाऊं, मैं 'जन नायगन' के ऑडियो लॉन्च के लिए अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करना चाहती हूं। विजय सर के साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और उनके जैसा दोस्त पाना इससे भी बड़ी बात है। वह हर मायने में खास इंसान हैं। मैं दुनिया भर में फैले उनके फैंस की तरह फिल्म की पूरी टीम के लिए चीयर करूंगी। मैं थलपति फैन गर्ल हूं। मालविका विजय के साथ साल 2021 में आई फिल्म 'मास्टर' में साथ काम कर चुकी हैं, जिसमें वह विजय के साथ मुख्य भूमिका में थीं। उस फिल्म में विजय सेतुपति भी हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल थी। मालविका, विजय को 'विजय सर' कहकर सम्मान देती हैं। दोनों के बीच दोस्ती का अच्छा बॉन्ड है। वहीं, 'जन नायगन' थलपति विजय की 69वीं फिल्म है और इसे उनकी आखिरी फिल्म माना जा रहा है, क्योंकि इसके बाद वे पूरी तरह राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे। फिल्म का निर्देशन एच विनोद कर रहे हैं और इसमें पूजा हेगड़े लीड एक्ट्रेस हैं। फिल्म में बॉबी देओल भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। जानकारी के अनुसार फिल्म 9 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। शनिवार को फिल्म का ग्रैंड ऑडियो लॉन्च मलेशिया के कुआलालंपुर में निर्धारित है। मालविका मोहनन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों में व्यस्त हैं। वह प्रभास के साथ 'द राजा साब' में नजर आएंगी, जो रिलीज को तैयार है।

सही अवसर और मेहनत की जरूरत : शरमन जोशी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता शरमन जोशी ने थिएटर से अपने करियर की शुरुआत की थी, और आज वह फिल्मों और थिएटर दोनों में अपनी पहचान बना चुके हैं। उनके करियर का 25 साल का लंबा सफर उपलब्धियों से भरा रहा है। शरमन ने आईएएनएस से बात करते हुए अपने करियर और फिल्म '3 इडियट्स' के 16 साल पूरे होने पर अनुभव साझा किए। शरमन ने कहा, ''मैं किसी फिल्मी परिवार से नहीं आता हूं। मेरा अभिनय सफर थिएटर से शुरू हुआ। शुरुआत में मेरे पास तीन रास्ते थे, पहला अभिनेता बनना, दूसरा वकील बनना और तीसरा बिजनेस करना। मैंने अपने दिल की सुनी और एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। मेरे लिए यह एक बहुत बड़ा फैसला था, क्योंकि फिल्म इंडस्ट्री में सफलता पाने के लिए केवल टैलेंट ही नहीं, बल्कि सही अवसर और मेहनत की भी जरूरत होती है।'' उन्होंने कहा, फिल्म 'गॉडमदर' में मेरा छोटा सा रोल था, लेकिन इसके बाद मेरी जिंदगी बदल गई। मुझे फिल्म 'स्टाइल' का मौका मिला। इस फिल्म का ऑफर मेरे पास अचानक से आया। यह मेरे लिए खास अवसर था। उस समय मैं और बाकी कलाकार सभी नए थे और पूरे उत्साह के साथ काम कर रहे थे। उस वक्त की एनर्जी और जुनून अब भी यादों में ताजा है।

शरमन ने बताया कि उन्हें आज भी फिल्म 'स्टाइल' बेहद पसंद है। यह देखकर खुशी होती है कि लोग अब भी इसे याद करते हैं और इसके बारे में बात करते हैं। शरमन ने कहा, ''थिएटर मेरे करियर का अहम हिस्सा रहा है और

मैं इसे हमेशा लगन और जुनून के साथ करता रहा हूं। मैंने अपने थिएटर प्ले 'राजू राजा राम' के 100 शो पूरे किए, और जनवरी में एक अंग्रेजी में नाटक शुरू करने की योजना बना रहा हूं। मेरा मानना है कि थिएटर केवल अभिनय का माध्यम नहीं, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो कलाकार को अपनी कला और भावनाओं को गहराई से समझने का अवसर देता है।'' इसके अलावा, शरमन ने अपनी सबसे लोकप्रिय फिल्म '3 इडियट्स' के 16 साल पूरे होने पर भी अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, ''जब भी लोग मुझसे मिलते हैं, सबसे पहले उन्हें इस फिल्म का नाम याद आता है, लेकिन 'स्टाइल' का जिक्र भी हमेशा मुझे खुशी देता है। राजकुमार हिरानी ने मुझे 'स्टाइल' में देखा और बाद में '3 इडियट्स' में काम करने का मौका दिया। मुझे इस फिल्म में अपने किरदार राजू रस्तोगी की भूमिका के लिए काफी प्रशंसा और प्यार मिला।''

शरमन ने फिल्म के कई यादगार पलों का जिक्र किया, खासकर इंटरव्यू सीन, जिसे शूट करना उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद खास था। शरमन ने कहा, ''जब '3 इडियट्स' बनाई जा रही थी, तब मैंने सोचा भी नहीं था कि यह फिल्म इतनी सफल बनेगी। फिल्म की सफलता और लोगों का प्यार अब भी बना हुआ है। यह अनुभव मुझे याद दिलाता है कि मेहनत, सही मार्गदर्शन और लगन के साथ कोई भी कलाकार अपने सपनों को साकार कर सकता है।'' उन्होंने अपने 25 साल के करियर के अनुभवों के बारे में बात करते हुए कहा, ''इस सफर में मुझे कई तरह के अवसर और चुनौतियां मिलीं, और हर अनुभव ने बेहतर कलाकार बनने में मदद की। मेरा मानना है कि केवल फिल्मों में काम करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि थिएटर और अन्य मंचों पर काम करना भी कलाकार के लिए बेहद जरूरी है। यह अभिनय को निखारता है और दर्शकों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाने का अवसर देता है।''

करीना-पृथ्वीराज की 'दायरा' की शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

मेघना गुलज़ार की डायरेक्टेड इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर 'दायरा' की शूटिंग खत्म हो चुकी है, जिसमें करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन दमदार अंदाज़ में नज़र आएंगे. जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज़ के साथ मिलकर बनी ये फिल्म अब पोस्ट-प्रोडक्शन के मैदान में एंट्री ले चुकी है और 2026 में सिनेमाघरों में धमाका करने के लिए तैयार है। 'दायरा' एक ऐसी कहानी है जो सिर्फ अपराध नहीं दिखाती, बल्कि बताती है कि एक शैतानी हरकत कैसे समाज में बराबर का भूचाल खड़ा कर देती है. ये फिल्म आसान जवाब नहीं देती, बल्कि दिमाग में ऐसे सवाल छोड़ जाती है जो कहानी खत्म होने के बाद भी सिर के अंदर घूमते रहते हैं। मेघना गुलज़ार अपनी सेंसिटिव स्टोरीटेलिंग और तेज़तर्रार नैरेटिव के साथ एक ऐसी दुनिया गढ़ती हैं जो दिमाग पर भी असर डालती है और दिल को भी छू जाती है. करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन की जानदार, लेयर्ड परफॉर्मेंस के साथ-साथ एक मज़बूत एंसेंबल कास्ट इस फिल्म को और भारी-भरकम बनाती है।

'तलवार' और 'राज़ी' के बाद, 'दायरा' मेघना गुलज़ार और जंगली पिक्चर्स का तीसरा कोलैबोरेशन है, जो फिर से ऐसी सिनेमा पेश करने आ रहा है जो चर्चा भी छेड़ेगा और तारीफ़ भी बटोर लेगा। शूटिंग पैकअप हो चुकी है, अब टीम बेसब्री से इंतज़ार कर रही है कि 2026 में ये तेज़, सोच झकझोरने वाली कहानी सिनेमाघरों में दर्शकों से मुलाकात करे।

'महापुरुष का जीवन केवल व्यक्तिगत साधना का परिणाम नहीं होता'

गुरु सप्तमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रीसिमंधर स्वामी राजेंद्र सूरी संघ मामूलपेट के तत्वावधान में आयोजित गुरु सातम महोत्सव में साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि किसी महापुरुष का जीवन केवल व्यक्तिगत साधना का परिणाम नहीं होता, उसके मूल में माता-पिता के संस्कार, गुरु की कृपा और आत्मा की पूर्व पुण्यराशि का अद्भुत संयोग होता है। आचार्य देव श्रीमद्विजय राजेंद्र सूरीश्वरजी म.सा. का जीवन भी ऐसा ही दिव्य संगम है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि बाल्यकाल से ही महाराज में वैराग्य की सहज छाया दृष्टिगोचर होने लगी थी। संसार की चकाचौंध उन्हें आकर्षित नहीं करती थी। बाल मन में भी संयम, शांति और आत्मचिंतन की प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती थी। यही कारण था कि मात्र ग्यारह वर्ष की अल्पायु में, दीक्षा का महान निर्णय लिया था।

साध्वी मुक्तिलब्धिश्री ने दादा गुरुदेव के जीवन प्रसंग सुनाए। नेमीचंद वेदमुथा ने बताया कि साध्वीवृंद के सान्निध्य में गुरु सप्तमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्रीसिमंधर स्वामी राजेंद्र सूरी संघ मामूलपेट के अध्यक्ष धीरज भंडारी, मेघराज भंसाली, हेमराज मोदी, नेमीचंद वेदमुथा, तिलोकचंद भंडारी, मांगीलाल वेदमुथा, घेवरचंद सालेचा, तेजराज कुहाड, तिलोकचंद पटियात, रमेश भंडारी, चिकपेट संघ अध्यक्ष गौतमचंद जैन, शांतिलाल गादिया, हेमराज जैन, माधवनगर संघ अध्यक्ष प्रकाश पिरगल, टेनरी रोड संघ अध्यक्ष पारस भंसाली, सुनील कुंकुलोल, प्रवीण वाणीगोता, जितेंद्र पोरवाल, गौतमचंद छाजेड, कांतिलाल कांकरिया, दिलीप कांकरिया, नरपत भंडारी, महेंद्र भंडारी, वंशराज बोहरा, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल, प्रवीण चौहान, कांतिलाल जैन, अशोक भंडारी, प्रवीण कंकुचोपडा, आहोर, भीनमाल, जालोर, सियाणा, ढंडार पट्टी, दियावट पट्टी आदि अनेक संघों, गुरुभक्तों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम का संचालन नेमीचंद वेदमुथा ने किया। संगीतकार सुनील कुमार टीम ने प्रस्तुति दी। राजेंद्र मंडल ने सेवा का लाभ लिया। सभी मंडल एवं गुरु भक्तों को धीरज भंडारी ने धन्यवाद दिया। लाभार्थी परिवार द्वारा अभिधान राजेंद्र कोष आरती, दीपक, फूलमाला अर्पित की गईं।

उड़ान 2026 को सफल बनाने के लिए बैठक का आयोजन किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो लेडीज़ विंग (जेएलडब्ल्यू) बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा लाइफस्टाइल प्रदर्शनी 'उड़ान 2026' की योजना, तैयारी और प्रस्तुति को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी 15 और 16 जनवरी को इन्फैंट्री रोड के गणेश बाग में आयोजित की जाएगी।

बताया गया कि जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया के मार्गदर्शन एवं विज़न के अनुरूप तैयारियां आगे बढ़ाई जा रही हैं। जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने परिकल्पना, उद्देश्य एवं टीम की भूमिका पर प्रकाश डाला। महामंत्री रक्षा छाजेड़ एवं कार्य संयोजिका बिंदु नाहर ने तैयारियों, कार्ययोजना एवं आगामी रणनीति की विस्तृत जानकारी दी।

सभी सदस्यों ने अपने सुझाव एवं विचार साझा किए। प्रदर्शनी के प्रचार-प्रसार के लिए रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 15 और 16 जनवरी को पेन रिलीफ अल्टरनेटिव थैरेपी कैंप का भी आयोजन होगा। 16 जनवरी को साइबर पीस मार्च होगा। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा, जेएलडब्ल्यू कन्वीनर नेमीचंद दलाल, मदन जैन, प्रीतेश जैन, यूथ विंग चेयरपर्सन अनिष भोजानी एवं मुख्य सचिव आशीष तलेसरा मौजूद थे। जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ की ओर से सुमन सिंघवी, सुमन वेदमुथा, तनुजा मेहता, मीना बडेरा, मोना आंचलिया, संगीता मुथा, नेहा भंडारी एवं अलका जैन मौजूद थीं। मुख्य विंग ने योजना, तैयारी, स्पष्ट दृष्टिकोण और टीमवर्क की सराहना की।

वंदेभारत एक्सप्रेस को हिन्दूपुर में मिला एक्स्ट्रा स्टॉपेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने शनिवार को काचीगुड़ा-यशवंतपुर-काचीगुड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, जिसका हिंदूपुर रेलवे स्टेशन पर एक्स्ट्रा स्टॉपेज होगा और अपग्रेडेड चकरलापल्ली रेलवे स्टेशन को भी देश को समर्पित किया। इस मौके पर बोलते हुए वी. सोमन्ना ने कहा कि काचीगुड़ा-यशवंतपुर-काचीगुड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस के हिंदूपुर में नए मंज़ूर स्टॉपेज से इस इलाके के यात्रियों को बहुत फ़ायदा होगा। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार आंध्र प्रदेश में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करने पर खास ज़ोर दे रही है।

मंत्री ने बताया कि पहले अविभाजित आंध्र प्रदेश के लिए 886 करोड़ मंज़ूर किए गए थे, जबकि सिर्फ़ 2024-25 के दौरान 9,470 करोड़ के रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी गई है। उन्होंने आगे बताया कि 1,560 ज्ञा नई रेलवे लाइनें बन रही हैं और 71 प्रतिशत रोड ओवर ब्रिज (ROB) और रोड अंडर ब्रिज (ROB) बनाए गए हैं। राज्य भर में हज़ारों करोड़ रुपये के कई रेलवे प्रोजेक्ट अभी अलग-अलग स्टेज पर हैं।

सोमन्ना ने यह भी बताया कि आंध्र प्रदेश में 73 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन डेवलपमेंट स्कीम के तहत रीडेवलप किया जा रहा है, जिसमें तिरुपति, नेल्लोर, विशाखापत्तनम और राजमुंदरी जैसे बड़े स्टेशन शामिल हैं। हिंदूपुर रेलवे स्टेशन और श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम रेलवे स्टेशन पर रीडेवलपमेंट का काम भी चल रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रेल मंत्रालय इस इलाके में पैसेंजर सुविधाओं, कनेक्टिविटी और ट्रेन सर्विस को और बेहतर बनाने के लिए सभी ज़रूरी कदम उठाता रहेगा।

हिंदूपुर से सांसद श्री पार्थ सारथी ने कहा कि जनता और जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई वंदे भारत एक्सप्रेस को हिंदूपुर में स्टॉपेज देने की मांग को अब रेल मंत्रालय ने पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से इलाके के बड़ी संख्या में पैसेंजर को फायदा होगा।

सम्मान दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मागड़ी रोड स्थित मयूर वर्मा डॉ. राजकुमार अभिमानी संघ के 17वें वार्षिकोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में महेन्द्र मुणोत ने दिवगंत अभिनेता डॉ. राजकुमार और पुनीत राजकुमार के भावचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। संघ के रविकुमार एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

बिलावास में आयोजित नेत्र जांच शिविर में हजारों मरीजों ने कराई नेत्र जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/बिलावास। श्री आईजी सेवा संस्थान बिलावास बेंगलूरु के तत्वावधान में सोजत तहसील के निकटवर्ती बिलावास गांव में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन सम्पन्न हुआ। शिविर में बेंगलूरु की प्रतिष्ठित संस्था प्रोजेक्ट दृष्टि के शल्य चिकित्सक डॉ. नरपत सोलंकी एवं उनकी टीम के अन्य अनुभवी चिकित्सकों द्वारा सेवाएं प्रदान की गईं।

शिविर के दौरान कुल 1150 मरीजों की नेत्र जांच की गई। जांच के उपरांत 176 मरीजों का नि:शुल्क नेत्र ऑपरेशन किया गया, वहीं 550 जरूरतमंद मरीजों को चश्मे वितरित किए गए। शिविर में मोतियाबिंद सहित विभिन्न नेत्र रोगों की पहचान कर समय पर उपचार की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर बिलावास गांव के कोटवाल पुखाराम काग, जमेदारी नारायणलाल परेरिया, नेमाराम आगलेचा सहित संस्था के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

अमराराम चोयल ने बताया कि बेंगलोर में निवासरत प्रवासी बंधुओं द्वारा अपने गांव के प्रति सेवा भावना के साथ इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्य लगातार किए जा रहे हैं।

विशेष बच्चों संग मनाया अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का स्थापना दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना दिवस के अवसर पर बेंगलूरु मारवाड़ी सम्मेलन ने सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। दबासपेटे स्थित धरिश्री ट्रस्ट विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का संदेश 'नर सेवा ही नारायण सेवा' था। विशेष बच्चों के लिए स्नेहपूर्ण वातावरण में हाई-टी, खेलकूद तथा विविध मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। उन्हें चॉकलेट और उपयोगी सामग्री भी वितरित की गईं। इसके अलावा रात्रि भोजन कराया गया। प्रांतीय अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल ने सेवा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के वंचित एवं विशेष वर्ग के प्रति संवेदनशीलता ही किसी भी संगठन की वास्तविक पहचान होती है। प्रांतीय महामंत्री शिवकुमार टेकरीवाल ने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगकर्ताओं का स्वागत करते हुए आयोजन की सराहना की।

शाखा अध्यक्ष पंकज जालान ने बताया कि इस सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन की विचारधारा को केवल शब्दों तक सीमित न रखकर उसे व्यावहारिक जीवन में अपनाना है, ताकि समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना और अधिक दृढ़ हो सके।

कार्यक्रम के दौरान गौसेवा एवं दीपोत्सव का आयोजन भी किया गया। शाखा सचिव स्नेह कुमार जाजू एवं कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सहयोग देने वाले सभी सदस्यों, दानदाताओं एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। सेवा कार्यक्रम की रूपरेखा रचना डालमिया द्वारा तैयार की गई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

मैसूरु में सीरवी महासभा राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन आज

मैसूरु/दक्षिण भारत । अखिल भारतीय सीरवी समाज के तत्वावधान में तथा आयोजक सीरवी स्पोर्ट्स क्लब एवं चेरिटेबल ट्रस्ट, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में सीरवी महासभा खेल प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन रविवार को मैसूर के जेके खेल मैदान में किया जाएगा। इस राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता में भारत देश भर से विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। प्रतियोगिता की तैयारियों के क्रम में सीरवी समाज मैसूर संस्था के अध्यक्ष ओगड़राम हाम्बड, ढगलाराम चोयल एवं अब्बाराम सीरवी ने सीरवी सेवा संघ लिंगराजपुरम वडेर के पदाधिकारियों को महाकुंभ महोत्सव की पत्रिका भेंट की। अब्बाराम सानपुरा ने बताया कि इस खेल प्रतियोगिता में सीरवी समाज के करीब 3600 खिलाड़ी अलग-अलग खेलो में भाग लेंगे। प्रतियोगिता को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं ।

अच्छे भावों को सुरक्षित व अशुभ भावों को दूर करें : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में आयोजित प्रवचनसभा में शनिवार को सुबह प्रवचन में पन्नालाल चोरड़िया जैन भवन में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक श्री नरेश मुनि जी ने द्रव्य, क्षेत्र, काल,भव और भाव इन पांच प्रकार के संसार पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि पहले के चार संसार की अपेक्षा भाव संसार खतरनाक है। जैन दर्शन भावना प्रधान धर्म है। जहां साधक के क्रिया से ज्यादा उसके निहित भावों को प्रमुखता दी गई है। कहा गया है कि भावे भावना भाइए, भावे दीजे दान, भावे धर्म आराधिये, भावे केवल ज्ञान। भावना अन्तर की सचेतन अवस्था है। वह कभी निष्फल नहीं होती। अपने अन्तर्मन में शुभ भावों के बीज डालते रहिए। कभी न कभी सुयोग पाकर वे सत्कर्म के रूप में अवश्य अंकुरित होंगे। उन्होंने आगे कहा कि व्यक्ति प्रतिदिन कोई न कोई शुभ संकल्प करने का अभ्यास डालना चाहिए। स्वयं भी सद भाव रखो तथा जो सत्कर्म, संयम साधना, धर्म परोपकार के कार्य करता है उसका अनुमोदन भी करो। जीवन में पाप का विसर्जन और पुण्य का संचय करना चाहिए यही सुखी जीवन और मुक्ति की राह आसान करता है। प्रारंभ में श्री शालिभद्र मुनि जी ने कहा कि धर्म सबको जोड़ने का कार्य करता है। प्रेम, सरलता, सद भाव, सहिष्णुता, सहृदयता का गुण अपने जीवन में अपनाए। विवेक में ही धर्म है। संसार के कार्य करते हुए हर चीज में यतना रखें। याद रखें हमारे द्वारा किसी भी जीव की हानि, अहित न हो। तभी धर्म साधना आराधना करने की सार्थकता है।साध्वीश्री सुप्रभा जी म सा का भी पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर हनुमंत संघ की ओर से सिंघवी परिवार ने मुमुक्षु लवेश सिंघवी का सम्मान किया। इस अवसर पर हनुमंतनगर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, मंत्री सुरेश धोका ,महावीर चन्द धारीवाल, धनराज मुथा, हुकमीचंद कांकरिया, नेमीचंद दक, किशोर रातड़िया मुथा, पारस मल दुगड़, कल्याण सिंह बुरड़, संजय सिंघवी आदि उपस्थित थे। मंत्री सुरेश कुमार धोका ने आगामी गतिविधियों की जानकारी देते हुए कार्यक्रम का संचालन किया।

मातृछाया ने 250 पौरकर्मियों को बांटें कम्बल, दी मिठाइयां

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जैन महिला संगठन 'मातृछाया' द्वारा समाजसेवा की भावना को साकार करते हुए वीवी पुरम स्थित बीबीएमपी ऑफिस प्रांगण में सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए हम सभी के लिए नियमित रूप से सेवा में रत रहने वाले लगभग 250 बीबीएमपी कर्मचारियों को कंबल एवं मिठाइयों का वितरण कर एक सराहनीय सेवा कार्य किया। मातृछाया की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि मानव सेवा के इस अनुकरणीय कार्य के विशेष सहयोगी पवनीबेन ओटमल सुजानी परिवार का आभार व्यक्त किया गया। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने जानकारी देते हुए बताया कि मातृछाया द्वारा बीबीएमपी कर्मियों के लिए वर्ष में दो तीन बार खाद्य सामग्री वितरण एवं विशेष सेवा सहयोग का आयोजन किया जाता है। बीबीएमपी के अधिकारियों ने संस्था के सेवा कार्यों की सराहना की। इस सेवा कार्यक्रम में संगठन की सक्रिय सदस्याएं रेशमा बडोला, मंगला खांटेड़, पुष्पाबाई बंदामुथा, सुशीला कबदी, हेमा बंदामुथा, कविता नाहर, रीठा संघवी, गीता संचेती, कविता पोरवाल आदि ने सेवा कार्य में सहयोग दिया।

निलंबन के बावजूद कांग्रेस पार्षद त्रिशूर की महापौर के खिलाफ आरोपों पर अडिग

त्रिशूर । नगर निगम की महापौर पद हासिल करने के लिए पैसे देने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्षद लाली जेम्स ने पार्टी से निलंबित किए जाने के बावजूद शनिवार को अपने आरोपों को दोहराया। जेम्स ने पहले आरोप लगाया था कि महापौर निजी जस्टिन और उनके पति ने मेयर पद हासिल करने के लिए एक बक्से के साथ पार्टी नेताओं से संपर्क किया था।इन आरोपों के बाद केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने शुक्रवार रात जेम्स की प्राथमिक सदस्यता निलंबित कर दी। संवाददाताओं से बात करते हुए जेम्स ने कहा कि वह इस निलंबन को खुशी-खुशी स्वीकार कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं निलंबन के खिलाफ कुछ नहीं बोलने वाली और न ही इसका कारण पूछूंगी। मुझे निलंबित करना या वापस लेना पार्टी का निर्णय है। उन्होंने कहा कि वह अपनी सदस्यता बहाल करने के लिए किसी से अनुरोध नहीं करेंगी, लेकिन हमेशा कांग्रेस की समर्थक बनी रहेंगी।पार्षद ने कहा, वे मुझे वापस लें या नहीं, मैं अंत तक कांग्रेस की समर्थक रहूंगी।जेम्स ने कहा कि उन्होंने यह आरोप तब लगाया जब कई लोगों ने उन्हें बताया कि जस्टिन ने कई व्यक्तियों से संपर्क किया था।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**